रांची, मंगलवार, 24 नवंबर 2026
संवत 2083, कार्तिक शुक्ल 15 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-10, अंक 78 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक



4 ▸▸ संदेशों में निहित है देश की प्रगति

4 किलो के घुंघरू पहनकर श्रद्धा कपूर ने सीखी लावणी ◂◂ 6

ᱫᱚᱞᱚ ᱱᱚᱲᱚ ᱞᱷᱚᱢᱞᱮᱜᱚᱢ ᱱᱚᱢᱟᱛ ᱢᱟᱛᱟᱨ ᱢᱟᱫᱚᱲᱚᱪ ᱞᱮᱛᱟ

लुगू बुरु

घांटा बाड़ी धोरोम गाढ़

राजकीय महोत्सव 2026

लुगू बुरु धोरोम गाढ़ रे सानाम
दिशोम पेड़ा को सागुन दाराम !!

ᱫᱚᱞᱚ ᱱᱚᱲᱚ ᱞᱷᱚᱢᱞᱮᱜᱚᱢ ᱱᱚᱢᱟᱛ ᱢᱟᱛᱟᱨ ᱢᱟᱫᱚᱲᱚᱪ ᱞᱮᱛᱟ ᱲᱮ
ᱢᱩᱫᱚᱨ ᱱᱚᱞᱚᱨ ᱢᱟᱨᱤᱫᱚᱪ ᱫᱚᱨᱚᱢᱢᱮ ᱤᱢ.ᱞᱚᱞᱮ ᱢᱟᱲᱟᱢᱢᱚᱪ



दिनांक: 22 से 24 नवंबर
स्थान: टी.टी.पी.एस. ललपनिया, जिला- बोकारो, झारखण्ड

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड

394487 (IPRD)26-27

मुख्यमंत्री ने कौशल विकास कार्यक्रमों में प्रशिक्षित 3044 युवाओं के बीच बांटे नियुक्ति पत्र

शिक्षा के क्षेत्र में हुए सकारात्मक सुधार, आधुनिकता के दौर में बदलाव जरूरी : सीएम



संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को कहा कि झारखंड में अधिक-से-अधिक युवाओं के हुनर को निखारकर उन्हें रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ना सरकार का लक्ष्य है। इस दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। रोजगारपरक प्रशिक्षण व कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। प्रशिक्षित युवाओं को आज नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा रहा है। पूर्व में भी प्रशिक्षित युवक-युवतियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं, जो राज्य के साथ-साथ देश-विदेशों में अपने कार्यों को पूर्ण कर रहे हैं। आज के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के दौरान उन्हें भी जोड़ा गया। इनका अनुभव सभी से जाना-समझा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को प्रोजेक्ट भवन सभागार में प्रशिक्षित छात्र-छात्राओं का मुख्यमंत्री कौशल एवं रोजगार सम्मान समारोह एवं नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मार्गदर्शन में प्रेज्ञा फाउंडेशन (विशेष प्रयोजन वाहिनी) के माध्यम से प्रशिक्षित छात्र-छात्राओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ?वर्तमान समय में आवश्यकता अनुसार हम अपने बच्चों में कौशल का विकास करें। उनके हुनर को तराशा जाए, ताकि वे अपने पैरों पर खड़ा होकर अपने बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें।

मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि आज के समय में कई तरह की ज्ञानवर्धक व्यवस्थाएं हैं। पहले इंजीनियर बनने के बाद जैसे ही चार साल की शिक्षा ग्रहण होती थी, कैंपस सिलेक्शन होकर बच्चों की नौकरी मिलती थी, लेकिन अब दौर बदल गया है। एआई का समय पूरी तरीके से वैश्विक रूप में हमारे सामने खड़ा है, उसमें पढ़ाई के साथ-साथ हुनर की भी बहुत आवश्यकता है। उन्होंने झारखंड में स्थापित एचईसी के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस संस्थान के माध्यम से ही देश के लगभग सभी उद्योग खड़े हुए। इसी एचईसी ने देश के लगभग उद्योगों को स्थापित किया। एचईसी को मदर फैक्ट्री के रूप में भी जाना जाता रहा, लेकिन आज स्थिति बदल गई है। क्योंकि, इस कंपनी ने समय अनुसार अपने को बदल नहीं पाया। समय की धुरी में अपने आप को स्थापित करने के लिए, सफल होने के लिए समय के साथ चलना होता है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि वर्तमान दौर में जिस व्यक्ति या युवा के हाथ में कौशल है, हुनर है, तो वह कभी कमजोर नहीं होगा। भूखा रहने की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। वह अपनी कौशल, हुनर के माध्यम से अपने परिवार, समाज को भी सबल बनाने में सफल हो सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रेज्ञा फाउंडेशन के माध्यम से आज एमओयू हस्ताक्षर भी किए गए हैं। इस एमओयू से युवाओं को नई तकनीक से जुड़कर रोजगार करने का अवसर प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर युवक-युवती देश-विदेशों में अपनी हुनर व कौशल का लोहा मनवा रहे हैं और रोजगार से जुड़े हैं।

मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि ?नर्सिंग की पढ़ाई महिलाएं और लड़कियां ही करती हैं। इस धारणा को समाप्त कर पुरुषों को भी पुरुष स्टाफ नर्सों के रूप में प्रशिक्षण देने का निर्णय राज्य सरकार ने लिया है। कई बड़े-छोटे अस्पतालों को देखा है, जहां पुरुष स्टाफ नर्स बहुत बड़ी तादाद काम में काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टेक्सटाइल इंडस्ट्री भी पहले सिर्फ लड़कियों के लिए थी, लेकिन वर्तमान में यहां पुरुषों के लिए भी बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा कि महिला-पुरुष के काम में कोई भेदभाव अब नहीं है। समय का भी कोई बाध्यता नहीं रही। लड़कियां-महिलाएं पुरुषों की तरह नाइट शिफ्ट ओवरटाइम में भी काम कर रही हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि ?राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों के माध्यम से राज्य में गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक माहौल तैयार हो रहे हैं। इन विद्यालयों की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। वहीं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी राज्य के अभ्यर्थियों को तैयार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि ?कल्याण विभाग की ओर से राज्य में संचालित आवासीय विद्यालयों के छात्रावासों में विद्यार्थियों के लिए खाने का प्रबंध राज्य सरकार द्वारा किए जाने का निर्णय लिया गया है। आवासीय विद्यालयों में अध्ययन के साथ-साथ उन्हें रहने, खाने की व्यवस्था सरकार करेगी। सरकार के तरफ से लोगों को वहां नियुक्त किया जाएगा। ?उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से पायलट बनने, हवाई जहाज उड़ाने का ट्रेनिंग देने का काम किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा चयनित 15 युवाओं को कॉमर्शियल पायलट ट्रेनिंग राज्य सरकार अपनी खर्च पर करवाएगी। भविष्य में एयर होस्टेस कोर्स को भी इसमें जोड़ने का कार्य होगा। इस अवसर पर अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री चमरा लिंडा, जल संसाधन एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के मंत्री हफीजुल हसन, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, विभागीय सचिव कृपानंद झा, आदिवासी कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी, निदेशक प्रेज्ञा फाउंडेशन कल्याण चक्रवर्ती एवं अन्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षित युवक-युवतियों सहित नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पहुंचे पतरातू लेक रिसोर्ट, पुलिस अवर निरीक्षक की पुत्री की शादी में हुए शामिल



संवाददाता

रामगढ़: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को रामगढ़ जिला के पतरातू एक रिसॉर्ट परिसर के होटल पर्यटन बिहार पहुंचे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के साथ होटल पर्यटन विहार में आयोजित एक वैवाहिक समारोह में शामिल हुए। यह शादी समारोह मुख्यमंत्री सुरक्षा में तैनात पुलिस अवर निरीक्षक विपिन रजक की पुत्री हर्षा की थी। इस मौके पर मुख्यमंत्री और कल्पना सोरेन ने नवविवाहित जोड़े को सुखद एवं खुशहाल वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया।

दरअसल, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को अपने पारिवारिक कार्यक्रम के तहत रामगढ़ जिला के पतरातू पहुंचे थे। यहां होटल पर्यटन विहार में मुख्यमंत्री सुरक्षा में कार्यरत पुलिस अवर निरीक्षक विपिन रजक की पुत्री हर्षा का विवाह समारोह आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री के साथ उनकी धर्मपत्नी कल्पना सोरेन भी मौजूद रहीं। दोनों ने वर-वधू से मुलाकात कर उन्हें नए जीवन की शुरूआत के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस समारोह के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पुलिस अवर निरीक्षक विपिन रजक और उनके परिवार के सदस्यों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने इस पारिवारिक खुशी में शामिल होकर अपनी प्रसन्नता जाहिर की और परिवार को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पतरातू में प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्था भी की गई थी। मुख्यमंत्री के इस दौरे के दौरान रांची और रामगढ़ के कई वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। वैवाहिक समारोह में गणमान्य अतिथियों के साथ वर-वधू के परिजन और रिश्तेदार शामिल हुए। मुख्यमंत्री के आने की सूचना पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने नवदंपति को सुखी, समृद्ध और खुशहाल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं देकर वापस रांची लौट गए।

वीर बुली महतो की 241वीं जयंती में शामिल होंगे राज्यपाल

मुरी: आगामी 1 स्वतंत्रता सेनानी वीर बुली महतो की 241वीं जयंती महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन आगामी 01 दिसंबर 2026 दिन मंगलवार को सोनाहातू में किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उक्त जानकारी जेएलकेएम के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष एवं युवा आंदोलनकारी देवेन्द्र नाथ महतो ने दी। कार्यक्रम में डुमरी के लोकप्रिय विधायक डॉ। जयराम महतो, साहित्यकार एवं पूर्व सांसद शैलेन्द्र महतो सहित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धो-कान्हू, नीलांबर-पीतांबर, शहीद शेख भिखारी, विनोद बिहारी महतो समेत झारखंड के अन्य महान शहीदों एवं आंदोलनकारियों के वंशजों को भी आमंत्रित किया गया है।जहां 14 जून 1834 को उन्होंने वीरगति प्राप्त की उन्होंने बताया कि 27 नवंबर 2026 को वीर बुली महतो चौक, सोनाहातू में माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं 01 दिसंबर को वीर बुली महतो 241 वीं जयंती महोत्सव के अवसर पर विभिन्न खेलकूद, मैराथन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे महोत्सव के प्रमुख आकर्षण होंगे 12 किलोमीटर राष्ट्रीय युवा मैराथन दौड़ (निर्मल महतो चौक जाड़ेया से वीर बुली महतो चौक सोनाहातू) तक। इसके अलावा 30 मीटर का महिला कुर्सी दौड़ और बोरा दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा।

भाजपा को संविधान और लोकतंत्र पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं : कैलाश यादव

रांची। प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने भाजपा पर संविधान दिवस के नाम पर ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा को संविधान और लोकतंत्र पर राजनीतिक विचार व्यक्त करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। केंद्र सरकार के कार्यकाल में सामाजिक ध्रुवीकरण और नफरत की राजनीति बढ़ी है। किसान, मजदूर और युवा बेरोजगारी, महंगाई तथा आर्थिक संकट से परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर के सामाजिक न्याय और आरक्षण के विचारों को कमजोर करने का काम कर रही है। यादव ने कहा कि भाजपा को संविधान की व्याख्या करने के बजाय गांवों का विकास, सामाजिक उत्थान और समानता सुनिश्चित करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने निर्वाचन आयोग सहित संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर उठ रहे सवालों को भी चिंताजनक बताया। यादव ने कहा कि राजद की विचारधारा संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय और सभी वर्गों को समान अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

शुकर पालन प्रशिक्षण आरम्भ

मुरी : रुडसेट संस्थान में वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक तरीके से शुकर पालन प्रशिक्षण आरम्भ हो रहा है। इसकी जानकारी संस्था के लोगों के द्वारा जारी किया गया है सातवीं पास एवं उम्र 18 से 50 उम्र होनी चाहिए, आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक पासबुक, शैक्षणिक प्रमाण पत्र,मनरेगा जॉब, वीपीएल कार्ड, फोटो भी जरूरत है। प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क है।

सीसीएल के सतर्कता जागरूकता महोत्सव में कला के हर रंग ने दिया एक खास संदेश

रांची : रंगों से सजे कैनवास, कूची से उभरती आकर्षक आकृतियां और कलाकारों का उत्साह।।।। कुछ ऐसा ही नजारा सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) मुख्यालय, दरभंगा हाउस में आयोजित दो दिवसीय सतर्कता जागरूकता महोत्सव-2026 में देखने को मिला। ह्यसमृद्धि के लिए सत्यनिष्ठाह्न थीम पर आयोजित इस महोत्सव में ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिकता का संदेश कला एवं संस्कृति के माध्यम से दिया गया।

महोत्सव में लाइव पेंटिंग, स्ट्रीट पेंटिंग, रंगोली, फेस पेंटिंग, पॉट पेंटिंग और एकल गायन जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। रांची के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से आए 500 से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं, चार हजार से अधिक विद्यार्थियों और शहरवासियों की मौजूदगी ने आयोजन को खास बना दिया। कलाकारों ने रंगों और कूची के माध्यम से अपनी कल्पनाओं को कैनवास पर उतारा। सड़क पर बनी कलाकृतियों ने राहगीरों का ध्यान खींचा, तो रंगोली और फेस पेंटिंग के जरिए भी सतर्कता का संदेश दिया गया। साधारण गमलों को आकर्षक कलाकृतियों में बदलकर प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता दिखाई। एकल गायन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने सुरों से समां बांधा। सीसीएल के महाप्रबंधक आलोक कुमार गुप्ता ने बताया कि आयोजन में 35 से अधिक नामचीन कलाकारों को आमंत्रित किया गया था। इनमें कोलकाता, मुर्शिदाबाद, जमशेदपुर और धनबाद के कलाकार भी शामिल रहे। प्रतियोगिताओं के लिए आवश्यक सामग्री सीसीएल की ओर से उपलब्ध कराई गई थी। निर्णायकों ने प्रतिभागियों की कलाकृतियों को विषयवस्तु, कल्पनाशीलता और प्रस्तुति के आधार पर परखा। महोत्सव के पहले दिन नारी शक्ति वंदनह्न कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

संवाददाता

खूंटी : जिला के रनिया थाना क्षेत्र अंतर्गत सोदे स्कूल के समीप सोमवार की शाम एक तेज रफ्तार 12 चक्का ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार 28 वर्षीय युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान सोदे गांव निवासी यशवंत कुमार (पिता स्व। गंगा कुम्हार) के रूप में की गई है। हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। वहीं, घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने बाद में पुलिस गश्ती वाहन में तोड़फोड़ की और पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट भी की।

मिली जानकारी के अनुसार, यशवंत कुमार सोमवार की शाम अपने बाइक पर सवार होकर तोरपा से अपने गांव सोदे लौट रहे थे। शाम करीब छह बजे सोदे स्कूल के पास पहुंचने से ठीक पहले पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित 12 चक्का ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आसवन सड़क पर गिर पड़े और ट्रक का पहिया उन्हें कुचलते हुए आगे निकल गया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। बताया जाता है कि दुर्घटना को अंजाम देने वाला ट्रक मनोहरपुर की दिशा में जा रहा था। हादसे के बाद चालक ट्रक की रफ्तार बढ़ाकर भागने लगा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए बाइक और अन्य वाहनों से ट्रक का पीछा किया और बानो थाना क्षेत्र के लताकेल गांव के समीप ट्रक को घेरकर पकड़ लिया। सूचना मिलने पर बानो थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को जब्त कर अपने कब्जे में ले लिया। इधर, दुर्घटना की जानकारी मिलते ही रनिया थाना प्रभारी श्यामल कुंभकार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और



प्रारंभिक छानबीन के बाद जब्त ट्रक की स्थिति का जायजा लेने बानो गए।

बताया जा रहा है कि पुलिस टीम के बानो से वापस लौटने के बाद घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीणों का गुस्सा अचानक भड़क उठा। आक्रोशित लोगों ने पुलिस के गश्ती वाहन पर हमला कर शीशे तोड़ दिए और वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दौरान भीड़ ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की व मारपीट भी की। हालात को तेजी से बिगड़ते देख गांव के ही कुछ सूझबूझ वाले लोगों ने आगे आकर हस्तक्षेप किया और थाना प्रभारी श्यामल कुंभकार को भीड़ से निकालकर सुरक्षित रूप से पास के एक घर में बंद कर उनको बचाया। घटना की गंभीरता और इलाके में बढ़ते तनाव को देखते हुए तत्काल वरीय अधिकारियों को सूचित किया गया। इसके बाद तोरपा, कर्रा और तपकरा थाना क्षेत्र से अतिरिक्त पुलिस बल को रनिया के सोदे भेजा गया। मौके पर पहुंचे अतिरिक्त सुरक्षाबलों ने काफी मशक्कत के बाद उग्र भीड़ को शांत कराया और स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। फिलहाल क्षेत्र में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है और एहतियात के तौर पर पुलिस बल की तैनाती की गई है।

कृषि मंत्री की समीक्षा बैठक: 'अकवान' चक्रवात से खराब फसलों के नुकसान का आकलन

संवाददाता



रांचीः कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की की अध्यक्षता में ह्यअकवानह्न तूफान से प्रभावित किसानों की फसल क्षति एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा मुआवजा भुगतान की स्थिति को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई।

इस बैठक में कृषि विभाग के निदेशक, संयुक्त निदेशक, संबंधित पदाधिकारी, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि, फसल बीमा योजना के नोडल पदाधिकारी, बीमा कंपनियों तथा सभी जिलों के जिला कृषि पदाधिकारी एवं जिला सहकारिता पदाधिकारी शामिल हुए।

किसान को ना रखा जाए फसल बीमा के लाभ से वंचित : इस बैठक में मंत्री ने साफ निर्देश दिए कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसी भी किसान को फसल बीमा के लाभ से वंचित नहीं रखा जाए। बीमा मुआवजा प्राप्त करने की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनावश्यक कागजी प्रक्रिया अथवा तकनीकी बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

किसानों के बीमा दावों की निगरानी : उन्होंने कहा कि किसानों के हित सर्वोपरि है और यह सुनिश्चित करना विभाग एवं बीमा कंपनियों की जिम्मेदारी है कि प्रभावित किसानों को समय पर उनका उचित मुआवजा मिले। कृषि मंत्री ने हर जिले में किसानों के बीमा दावों की निगरानी के लिए विशेष डैशबोर्ड तैयार करने का निर्देश दिया। इस डैशबोर्ड का एक्सेस कृषि विभाग, कृषि निदेशालय, बैंकों एवं बीमा कंपनियों को उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि आवेदनों और बीमा दावों की स्थिति पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके।

नुकसान की स्थिति में फसल क्षति की सूचना : उन्होंने किसानों से अपील की है कि स्थानीय आपदा अथवा फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान की स्थिति में फसल क्षति की सूचना क्षति होने की तिथि से 72 घंटे के भीतर टोल- फ्री हेल्पलाइन नंबर 14447 पर अनिवार्य रूप से दें। सूचना प्राप्त होने के 48 घंटे के भीतर संबंधित बीमा कंपनी द्वारा नुकसान के आकलन के लिए टीम भेजी जाएगी।

संबंधित बीमा कंपनियों के माध्यम से व्हाट्सएप नंबर जारी : किसानों को बीमा दावों की प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए हर जिले में जिला कृषि पदाधिकारी एवं संबंधित बीमा कंपनियों के माध्यम से 5-5 व्हाट्सएप नंबर जारी करने का निर्देश दिया गया है, इन नंबरों के माध्यम से किसान अपनी फसल क्षति की सूचना एवं बीमा दावों से संबंधित आवेदन सीधे भेज सकेंगे।

बीमा दावों की तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार करना : कृषि मंत्री ने जिलावार हुई बारिश, फसल क्षति एवं प्राप्त बीमा दावों की स्पष्ट और तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार करने का भी निर्देश दिया है। इसका उद्देश्य वास्तविक रूप से प्रभावित किसानों की पहचान कर उनके बीमा दावों का त्वरित एवं न्यायसंगत निष्पादन सुनिश्चित करना है।

होने वाले नुकसान के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करना: कृषि मंत्री बैठक में कृषि मंत्री ने झारखंड सरकार की किसान हितैषी पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि झारखंड देश का एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत केंद्र एवं राज्य सरकार के निर्धारित अंशदान के अतिरिक्त किसानों के हिस्से के प्रीमियम का भुगतान भी राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों पर आर्थिक बोझ कम करना तथा अधिक से अधिक किसानों को फसल बीमा योजना से जोड़कर प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करना है।

किसानों को ना लगाना पड़े चक्कर: शिल्पी नेहा तिर्की ने सभी संबंधित विभागीय पदाधिकारियों, बैंक एवं बीमा कंपनियों को मिशन मोड में काम करने का निर्देश देते हुए बताया कि किसानों को उनके बीमा मुआवजे के लिए जरूरी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े। सरकार किसानों के साथ खड़ी है और प्रभावित किसानों को उनका हक दिलाने में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कृषि मंत्री ने बताया कि 13 लाख किसानों ने फसल बीमा में रजिस्ट्रेशन कराया है। इसके अलावा जिन किसानों ने फसल बीमा नहीं कराया है, उन्हें भी आपदा प्रबंधन विभाग से मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कल तक मौसम केंद्र से अकवान चक्रवात के दौरान हुई बारिश की वास्तविक रिपोर्ट विभाग को मिल जाएगा।

कार्यालय उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, राँची।
(सामाजिक सुरक्षा कोषांग)
जिला बाल संरक्षण इकाई

-: आवश्यक सूचना:-

केन्द्र प्रायोजित मिशन वात्सल्य योजना अन्तर्गत जिले में किशोर न्याय (बालकों के देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 एवं झारखण्ड किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) नियम, 2017 में वर्णित प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्यवन हेतु जिला स्तर पर रिक्त पदों यथा संरक्षण पदाधिकारी–गैर संस्थागत देखरेख एवं आंकड़ा विश्लेषक के विरूद्ध संविदा के आधार पर नियुक्ति हेतु कार्यालय ज्ञापांक–नियु०–DCPU/2026–27/1058/बा०सं०, राँची/दिनांक–30.07.2026 द्वारा प्रकाशित विज्ञापन के आलोक में दिनांक–06.11.2026 से 07.11.2026 तक दावा आपत्ति हेतु सूची प्रकाशित की गयी थी।

उक्त सूची के विरूद्ध दावा आपत्ति उपरांत अहर्त्ता पूर्ण करने वाले आवेदकों की मेधा सूची तैयार की गयी है, जो कार्यालय सूचना पट्ट एवं जिले के वेबसाईट www.ranchi.nic.in पर दिनांक–24.11.2026 से 26.11.2026 अपराह्न 05:00 बजे तक प्रदर्शित रहेगी।

ह०/–
उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी,
राँची।

PR 394441 (Ranchi) 26-27 (D)



मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, मंगलवार, 24 नवंबर 2026

संवत 2083, कार्तिक शुक्ल 15 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 78 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ संदेशों में निहित है देश की प्रगति

4 किलो के घुंघरू पहनकर श्रद्धा कपूर ने सीखी लावणी ◂◂ 6



कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डूबकी, मांगी सुख-समृद्धि

संवाददाता



रांची : कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मंगलवार को राजधानी रांची के स्वर्णरेखा नदी घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। नामकुम स्थित इक्कीसों धाम मंदिर परिसर के पास स्वर्णरेखा नदी में सुबह से ही लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। श्रद्धालु नदी में आस्था की डुबकी लगाते और पूजा-अर्चना करते नजर आए। दिनभर घाट पर स्नान करने वालों की आवाजाही बनी रही। परिवार के साथ पहुंचे लोगों ने भी नदी में स्नान कर धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया।

पवित्र नदियों में स्नान, दान और दीपदान का महत्व : कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली और त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक, इस दिन गंगा समेत दूसरी पवित्र नदियों में स्नान, दान और दीपदान का विशेष महत्व है। इसी मान्यता के तहत श्रद्धालु सूर्योदय से पहले नदी में स्नान कर भगवान विष्णु, भगवान शिव और तुलसी की पूजा-अर्चना करते हैं। इसके बाद अन्न, वस्त्र, धन और जरूरत की अन्य वस्तुओं का दान करने की परंपरा है। शाम के समय नदी घाटों और घरों में दीप जलाए जाते हैं।

कार्तिक पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु ने लिया था मत्स्य अवतार : धार्मिक कथाओं के मुताबिक, इसी दिन भगवान शिव ने 'त्रिपुरासुर' नामक राक्षस का वध कर संसार को उसके आतंक से मुक्ति दिलाई थी। इस विजय की खुशी में देवताओं ने दीप जलाकर उत्सव मनाया था। इसी कारण इस तिथि को देव दीपावली कहा जाता है। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु ने मत्स्य अवतार लिया था, इस वजह से भी इस दिन का विशेष धार्मिक महत्व है।

परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना : कार्तिक पूर्णिमा पर स्वर्णरेखा नदी घाट पर स्नान के साथ पूजा-पाठ और दान-पुण्य का सिलसिला चलता रहा। श्रद्धालुओं ने अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दिन को लेकर लोगों में खास उत्साह देखने को मिला। घाट पर पहुंचे श्रद्धालुओं के लिए यह पर्व अपनी धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं से जुड़ने का अवसर भी रहा। लोगों ने स्नान के बाद अपने गुरुजनों और परिवार के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया।

प्रेम और त्याग का संदेश : कार्तिक पूर्णिमा मैथिली समाज के लोकपर्व सामा-चकेवा के समापन का भी अवसर है। इस पर्व में भाई-बहन के प्रेम और त्याग का संदेश दिया जाता है। मंगलवार को सामा-चकेवा की मूर्तियों का विसर्जन किया जाएगा। इस तरह कार्तिक पूर्णिमा धार्मिक आस्था के साथ लोक परंपराओं और सामाजिक रिश्तों को भी जोड़ने वाला पर्व है।

गंगा घाटों पर आस्था की डुबकी : साहिबगंज में कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर आदिवासी सनातनी और गैर आदिवासी श्रद्धालुओं ने मंगलवार अहले सुबह राजमहल एवं जिला मुख्यालय के मुक्तेश्वर गंगा घाटों पर आस्था की डुबकी लगाई। सुबह से लोगो की भीड़ शहर के मुक्तेश्वर गंगा घाट पर भीड़ उमड़ी।

मां गंगा की स्तुति : महिला गंगा स्नान मंगलपाठ कर पूजा अर्चना कर रही है। गंगा घाटों पर मेला लगा हुआ है। साहिबगंज में उत्तरवाहिनी गंगा बहती है। वही राजमहल अनुमंडल क्षेत्र में श्रद्धालु वाद्ययंत्रों की धुन पर मां गंगा की स्तुति करते हुए रातभर जागरण करते रहे। संगीदलान, सूर्यदेव घाट और बालू प्लाट पर रविवार सुबह से ही श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगने लगा था। सूर्यदेव घाट, गुदाराघाट और अन्य घाटों पर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की और ब्रह्म मुहूर्त में दीपदान किया।

आस्था में डूबा कोयलांचल : धनबाद जिले के निरसा में कार्तिक पूर्णिमा की पावन बेला पर कोयलांचल का पूरा क्षेत्र भक्ति और आस्था में डूबा नजर आया। ब्रह्म मुहूर्त से ही घाटों पर श्रद्धालुओं का तांता लग गया। हर-हर गंगे, ऊं नमः शिवाय और जय विष्णु भगवान के जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा।

बराकर नदी पर उमड़ा आस्था का सैलाब : निरसा के खुदीया नदी, मैथन डैम, पंचेत डैम, बराकर नदी समेत विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। बराकर नदी तट पर तो ऐसा नजारा था मानो श्रद्धा की गंगा ही बह रही हो। बच्चे, बूढ़े, महिलाएं सभी पवित्र स्नान के लिए पहुंचे थे।

14वीं जेपीएससी गड़बड़ी : एफआरओ परीक्षा पास करने वाले दो कथित एजेंटों पंकज प्रसून और ऋतिक रोशन की जमानत खारिज

संवाददाता

रांची : 14वीं झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में कथित गड़बड़ी की जांच के दौरान गिरफ्तार दो आरोपियों पंकज प्रसून और ऋतिक रोशन को अदालत से राहत नहीं मिली है। रांची स्थित सीआईडी की विशेष अदालत में अपर न्याययुक्त योगेश कुमार ने 23 नवंबर को दोनों की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी। दोनों को सीआईडी ने सितंबर में गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी के अनुसार, दोनों अभ्यर्थियों को परीक्षा में अनुचित लाभ दिलाने वाले नेटवर्क से जुड़े थे। दोनों ने वन क्षेत्र पदाधिकारी (एफआरओ) की परीक्षा भी पास की थी।

जांच से जुड़े प्रकाशित विवरण के अनुसार, पंकज प्रसून और ऋतिक रोशन जमशेदपुर के शिवांगन कोचिंग संचालक संजीत कुमार के संपर्क में थे। सीआईडी का आरोप है कि दोनों अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ दिलाने के नेटवर्क में एजेंट की भूमिका निभा रहे थे। दोनों को 16-17 सितंबर के दौरान गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद से दोनों न्यायिक हिरासत में हैं। उन्होंने सात नवंबर को नियमित जमानत के लिए याचिका दाखिल की थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया।

ओएमआर शीट से लेकर परीक्षा परिणाम तक हेराफेरी का आरोप : 14वीं जेपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच के दौरान सीआईडी ने परीक्षा संचालन करने वाली एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (टीडीपीएल) की भूमिका की भी जांच की है। जांच एजेंसी के अनुसार, कुछ अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट में खाली छोड़े गए उत्तरों को बाद में सही उत्तर के रूप में भरकर अंक बढ़ाए गए। परीक्षा के विभिन्न चरणों में ओएमआर स्कैनिंग, ऑन स्क्रीन मार्किंग और अंकों में कथित हेरफेर की बात सामने आई है।

सीआईडी की जांच में यह भी सामने आया कि प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम जारी होने से पहले 267 चयनित अभ्यर्थियों का गोपनीय डाटा परीक्षा एजेंसी के कर्मचारी उस्मान के साथ साझा किया गया था। आरोप है कि तत्कालीन उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता कुमारी गुप्ता ने व्हाट्सऐप के माध्यम से यह जानकारी साझा की थी। इसमें दूसरे राज्यों के अभ्यर्थियों के नाम भी शामिल थे।

34 गिरफ्तार, 22 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र : इस मामले में सीआईडी अब तक जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल। खियांग्ते समेत 34 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें आयोग के तत्कालीन अधिकारी, परीक्षा एजेंसी के कर्मचारी, बिचौलिये और कथित रूप से अनुचित तरीके से सफल हुए अभ्यर्थी शामिल हैं।

सीआईडी 22 आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है। इनमें बुद्धेश्वर भगत, रमेश कुमार, उमेश कुमार, ब्रज कुमार राम, अरुण कुमार, उमाकांत उरांव, मनोज कुमार, धर्मेंद्र कुमार, रक्षक सिंह और रोशन केरकेट्टा के नाम शामिल हैं।

जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि अभ्यर्थियों से नकद, बैंक ट्रांसफर, यूपीआई और अन्य माध्यमों से पैसे लिए गए। कुछ अभ्यर्थियों से मूल शैक्षणिक प्रमाणपत्र और हस्ताक्षरित खाली चेक भी लिए गए थे। सीआईडी ने डिजिटल उपकरणों, बैंक खातों और कॉल डिटेल रिकॉर्ड को भी जांच में शामिल किया है।

जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर फिदायीन हमले की साजिश का खुलासा, मेरठ से जुबैर गिरफ्तार

मेरठ : जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस को निशाना बनाने के लिए कथित तौर पर फिदायीन हमले की तैयारी कर रहे एक युवक को मेरठ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मेरठ के कोतवाली थाना क्षेत्र के बनियापाड़ा निवासी जुबैर कुरैशी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, जुबैर पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के संपर्क में था और जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर हमले की साजिश रच रहा था। इस मामले में पांच अन्य युवकों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, जुबैर को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। उसकी गिरफ्तारी के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए खुफिया ब्यूरो (आईबी), आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस), इंटेलिजेंस और पुलिस की टीमों ने उससे कई घंटे तक पूछताछ की। शुरूआती पूछताछ में जुबैर ने जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर हमले की तैयारी करने और पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के संपर्क में रहने की बात बताई है। जांच में यह भी सामने आया है कि जुबैर जम्मू-कश्मीर में पकड़े गए आरोपी मोहम्मद साजिद के ऑनलाइन संपर्क में था। पुलिस को दोनों के पाकिस्तानी मोबाइल नंबरों के जरिए बातचीत करने और वहां से निर्देश मिलने से जुड़े इनपुट भी मिले हैं। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि दोनों के बीच किस तरह का संपर्क था और पाकिस्तान में बैठे लोगों से उन्हें क्या निर्देश दिए जा रहे थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, करीब एक साल पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस जुबैर को पकड़ने के लिए मेरठ आई थी, लेकिन उस समय वह पुलिस को देखकर फरार हो गया था। इसके बाद से ही उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। सोमवार को उसकी गिरफ्तारी के बाद इस पूरे मामले में नए सिरे से जांच तेज कर दी गई है। जुबैर की गिरफ्तारी की सूचना जम्मू-कश्मीर पुलिस को भी दे दी गई है। अब वहां की पुलिस भी मेरठ पहुंचकर उससे पूछताछ कर सकती है। जांच एजेंसियां जुबैर के संपर्कों, मोहम्मद साजिद से उसके रिश्तों और पाकिस्तान से संचालित कथित नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी हैं। हिरासत में लिए गए पांच अन्य युवकों से भी पूछताछ की जा रही है।

रांची सहित कई इलाकों में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए

संवाददाता

रांची : मंगलवार की सुबह झारखंड की राजधानी रांची सहित कई इलाकों में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। सुबह के समय आए इन झटकों से लोगों में दहशत फैल गई और घबराए हुए लोग तुरंत अपने-अपने घरों और अपार्टमेंट से बाहर निकलकर खुले स्थानों पर जमा हो गए। भू-वैज्ञानिक जानकारी के अनुसार, भूकंप सुबह 7 बजकर 02 मिनट पर आया, जिसकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.4 मापी गई है। इस भूकंप का केंद्र नेपाल के कोशी प्रदेश स्थित लेलेप से करीब 9 किलोमीटर दूर जमीन के भीतर था। भूकंप का असर केवल नेपाल तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसका प्रभाव भारत सहित कुल पांच देशों में देखने को मिला। शुरूआती सूचना के मुताबिक, नेपाल के अलावा भारत (खासकर बिहार और झारखंड), बांग्लादेश, भूटान और चीन के सीमावर्ती इलाकों में भी धरती हिलने की खबर है।फिलहाल जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

अमित शाह का ऐलान- पंजाब में अकाली दल बड़े भाई की भूमिका में

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को शिरोमणि अकाली दल (शिअद) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच गठबंधन की घोषणा की। उन्होंने शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल की मौजूदगी में दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि पंजाब और पूरे देश में यह गठबंधन हिंदू-सिख भाईचारे का प्रतीक बनेगा। गृह मंत्री अमित शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि भाजपा और अकाली दल पंजाब में कई प्रमुख विषयों को लेकर घोषणा पत्र जारी करेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब से नशे का उन्मूलन हमारा प्रमुख लक्ष्य होगा। पंजाब से भ्रष्टाचार का उन्मूलन और राष्ट्रवादी शक्तियों को सशक्त करना भी हमारा प्रमुख लक्ष्य होगा। अमित शाह ने घोषणा की कि पंजाब में अकाली दल ह्यबड़ा भाईह्व रहेगा। उन्होंने कहा, ह्चुनाव दोनों दल मिलकर लड़ेंगे, लेकिन बड़े भाई की भूमिका में अकाली दल रहेगा और अकाली दल से ही मुख्यमंत्री रहेगा।ह्व



शाह ने पंजाब की वर्तमान आम आदमी पार्टी सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, ह्केजरीवाल, पंजाब में तीन माह में नशा समाप्त करने का वादा देकर आए थे, लेकिन नशा समाप्त नहीं हुआ, बल्कि बढ़ा। पंजाब की वर्तमान सरकार वादाखिलाफी वाली सरकार है। उसने अपना कोई वादा पूरा नहीं किया है। पंजाब की जनता तय करके बैठी है कि जिन्होंने गुरुओं का अपमान किया है, उस सरकार और व्यक्ति को सहन नहीं किया जाएगा।ह्व

अमित शाह ने कांग्रेस पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, 2017 में राहुल गांधी ने उस कार्यकाल में नशा समाप्त करने का वादा किया था, लेकिन उनकी पार्टी ने नशे को समाप्त करने के लिए कुछ नहीं किया।

इसके साथ ही, अमित शाह ने वादा किया कि 31 दिसंबर, 2029 तक एनडीए पंजाब को पूर्णतया नशे से मुक्त कर देगा। उन्होंने कहा, ह्आगामी तीन महीने में पंजाब के किसानों की समस्या, पंजाब के आर्थिक विकास की चिंता और पंजाब के युवाओं के रोजगार की चिंता, इसके बारे में सुखबीर सिंह बादल और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के बीच तीन महीने की लंबी चर्चा के बाद एक रोडमैप बना है। उस रोडमैप पर हमारे एनडीए की बनने वाली सरकार आगे बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि जब भाजपा और अकाली दल साथ आ रहे हैं तो मुझे विश्वास है कि पंजाब की जनता का फैसला परिवर्तन लाएगा। मुझे भरोसा है कि पंजाब की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए को भारी बहुमत देगी और पंजाब को नशा-मुक्त बनाने के फैसले का आशीर्वाद देगी।

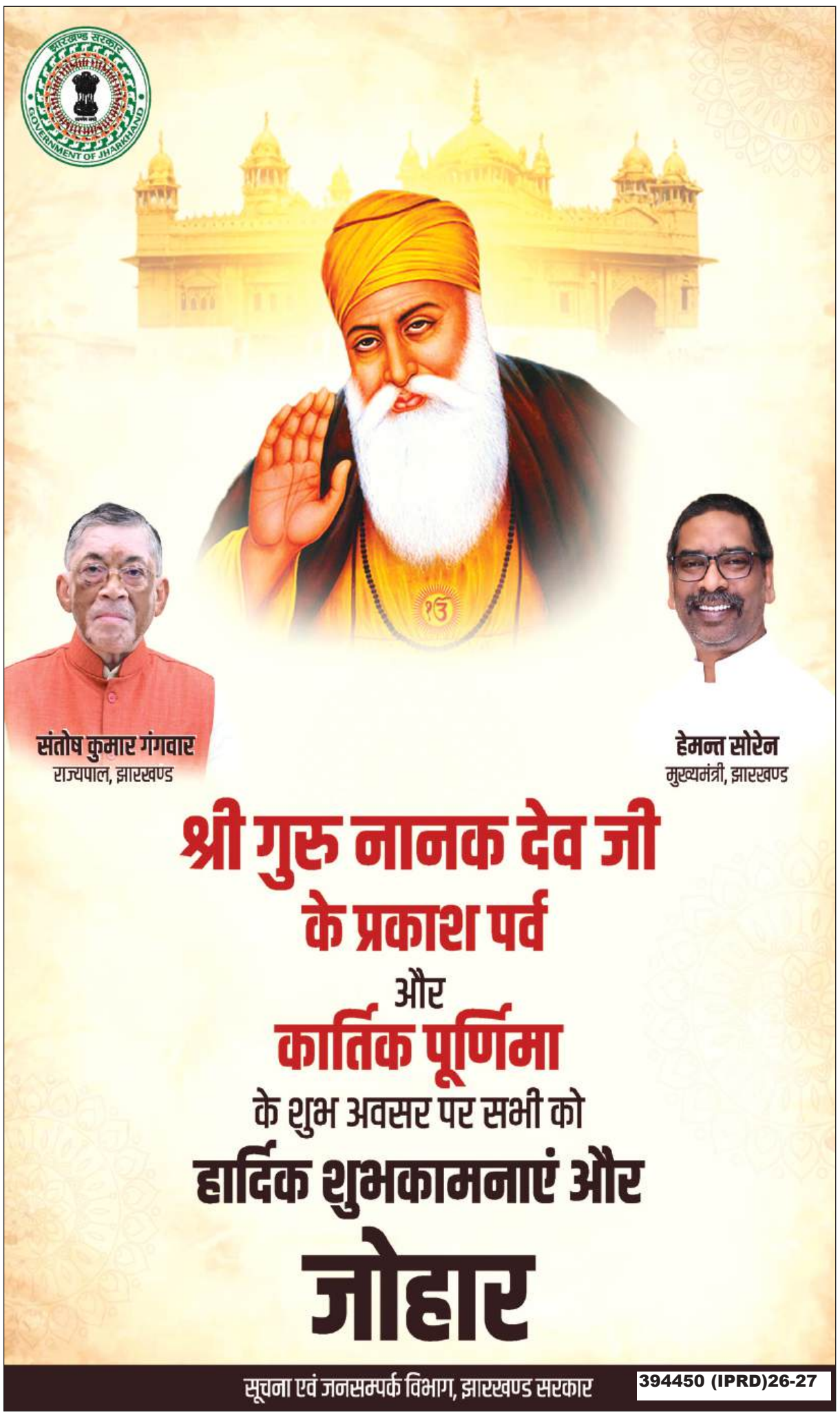

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

बड़ा फैसला-बड़ा मायने

वर्ष 1965 में वेल्डर के रूप में सरकारी सेवा शुरू करने वाले प्रेम सिंह को नियमित होने के लिए 37 साल इंतजार करना पड़ा, लेकिन 2007 में सेवानिवृत्ति के बाद यह कहकर उनकी पेंशन रोक दी गई कि कार्य-प्रभारित (वर्क-चार्ज्ड) सेवा की गिनती नहीं होगी। 2019 में देश के उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने इस अन्याय को खत्म किया, मगर उत्तर प्रदेश सरकार ने फैसले को बेअसर करने के लिए 2021 और 2025 में पूर्वव्यापी कानून बना डाले। आखिरकार, 18 नवंबर, 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने इन दोनों कानूनों को असंवैधानिक करार देते हुए स्पष्ट कर दिया कि नियमितीकरण के बाद कर्मचारी की शुरूआती अस्थायी नियुक्ति का ह्यजन्मचिह्नह्ल हमेशा के लिए मिट जाता है। उत्तर प्रदेश के उपर्युक्त दो वैधीकरण कानूनों को असंवैधानिक करार देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने न केवल लाखों कर्मचारियों के पेंशन अधिकारों को नया जीवन दिया है, बल्कि विधायिका की सीमाओं और कल्याणकारी राज्य की प्राथमिकताओं को भी नए सिरे से परिभाषित किया है। दशकों तक सरकारी विभागों में कार्य-प्रभारित (वर्क-चार्ज्ड), दैनिक वेतनभोगी, मस्टर-रोल या अस्थायी कर्मचारी के रूप में पसीना बहाने वाले कर्मियों को सेवानिवृत्ति के बाद अक्सर तकनीकी नियमों की आड़ में खाली हाथ लौटा दिया जाता था। लेकिन 18 नवंबर, 2026 के सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले ने इस प्रशासनिक प्रवृत्ति पर निर्णायक प्रहार किया है। उत्तर प्रदेश ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट नॉन-गजेटेड एम्प्लॉई एसोसिएशन बनाम मुख्य सचिव एवं अन्य (2026 क्छरउ 1252) मामले में न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार के 2021 और 2025 के दोनों पेंशन वैधीकरण अधिनियमों को असंवैधानिक घोषित करते हुए रद्द कर दिया। इस फैसले को हाल के वर्षों के अन्य प्रमुख निर्णयों के साथ जोड़कर देखें, तो देश के सेवा और पेंशन कानून में चार बड़े संवैधानिक बदलाव साफ तौर पर उभरते हैं। इस पूरे विवाद की जड़ 2019 के प्रेम सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य फैसले में है। तब तीन जजों की पीठ ने यूपी सेवानिवृत्ति लाभ नियमावली, 1961 के नियम 3(8) को सीमित रूप में पढ़ते हुए और सिविल सेवा विनियमन के विनियम 370 को रद्द करते हुए स्पष्ट किया था कि नियमित होने के बाद कर्मचारियों की पूर्ववर्ती वर्क-चार्ज्ड सेवा को पेंशन के लिए ह्यअर्हकारी सेवाह्ल में गिना जाएगा। पुनर्विचार याचिका खारिज होने और क्यूरेटिव याचिका वापस लेने के बाद राज्य सरकार ने अदालती आदेश के प्रभाव को निष्क्रिय करने के लिए विधायी रास्ता चुना। पहले 2020 में अध्यादेश और 2021 में अधिनियम लाकर ह्यअर्हकारी सेवाह्ल की नई परिभाषा गढ़ी गई, और फिर 2025 में एक नया कानून लाकर ह्यमौलिक नियुक्त व्यक्तिह्ल की शर्त जोड़ दी गई। दोनों कानूनों को 1 अप्रैल, 1961 से पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस विधायी कवायद पर बेहद सख्त टिप्पणी की। स्वामी विवेकानंद के कथन को उद्धृत करते हुए अदालत ने कहा कि यहां केवल बोतल बदली गई है, लेकिन उसके भीतर की पुरानी समस्या जस की तस है। पृथ्वी कॉटन मिल्स, इंडियन एल्युमिनियम और मदन मोहन पाठक जैसे प्रमुख निर्णयों के आलोक में कोर्ट ने स्पष्ट किया कि विधायिका किसी फैसले के कानूनी आधार या दोष को दूर करने के लिए कानून बदल सकती है, लेकिन वह केवल शब्दों का हेरफेर कर एक अंतिम न्यायिक आदेश को निष्प्रभावी नहीं कर सकती। अदालत ने संविधान सभा में डॉ. भीमराव आंबेडकर की उस चेतावनी को भी याद दिलाया कि संविधान का स्वरूप बदले बिना भी प्रशासनिक तरीकों में बदलाव करके उसकी आत्मा को विकृत किया जा सकता है। सेवा विधि के क्षेत्र में इस फैसले का सबसे बड़ा सैद्धांतिक योगदान ह्यजन्मचिह्न के विलोपनह्ल के सिद्धांत का विस्तार है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने शैलेंद्र सिंह बनाम भारत संघ (2024) और इन रीः हाईकोर्ट जजेस पेंशन रिफिक्सेशन (2025) में यह सिद्धांत प्रतिपादित किया था कि एक बार जिला न्यायपालिका या बार से उच्च न्यायालय (हाई कोर्ट) का न्यायाधीश नियुक्त हो जाने के बाद नियुक्ति का स्रोत (जन्मचिह्न) मिट जाता है और सेवानिवृत्ति लाभों में कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता। अब सुप्रीम कोर्ट ने इसी संवैधानिक दर्शन को आम सरकारी कर्मचारियों पर भी लागू कर दिया है। अदालत ने दो टूक कहा कि जब किसी एड-हॉक, दैनिक वेतनभोगी, मस्टर-रोल या वर्क-चार्ज्ड कर्मचारी को किसी विधिवत योजना के तहत नियमित कर दिया जाता है, तो वह नियमित सेवा की मुख्यधारा का हिस्सा बन जाता है। नियमितीकरण के साथ ही उसकी शुरूआती अस्थायी नियुक्ति का ह्यजन्मचिह्नह्ल हमेशा के लिए मिट जाता है। सरकार पूर्वव्यापी कानून बनाकर उस मिटे हुए अंतर को दोबारा जिंदा नहीं कर सकती, क्योंकि यह संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता), 16 (अवसर की समानता) और 21 (गरिमापूर्ण जीवन) का सीधा उल्लंघन है। यह रुझान हाल के अन्य फैसलों में भी दिखता है। जग्गो बनाम भारत संघ (2024) में अदालत ने उमादेवी (2006) फैसले के चुनिंदा दुरुपयोग के प्रति आगाह करते हुए कहा था कि लंबे समय से जरूरी सेवाएं दे रहे कर्मचारियों के हक सिर्फ पदनाम के आधार पर नहीं मारे जा सकते। इसी तरह, जून 2026 के भिखानी देवी बनाम भारत संघ मामले में भी सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया कि पेंशन कोई खैरात नहीं, बल्कि संविधान के तहत अर्जित अधिकार है और दशकों तक अस्थायी दर्जे पर काम करने वाले कर्मियों को औपचारिक नियमितीकरण के अभाव में इससे वंचित नहीं किया जा सकता। अकसर सरकारें कर्मचारियों के देयकों के मामले में सरकारी खजाने पर भारी बोझ की दलील देती हैं। इस मामले में भी राज्य की ओर से हजारों करोड़ रुपये के वित्तीय भार की आशंका जताई गई। सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को सिरे से खारिज कर दिया। अदालत ने तल्ख टिप्पणी करते हुए न्यायिक संज्ञान लिया कि हाल के समय में राज्य ने पार्कों के निर्माण और सौंदर्यीकरण पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए हैं। कोर्ट ने स्पष्ट संदेश दिया कि सौंदर्यकरण जैसे विवेकाधीन खर्चों को नागरिकों के कानूनी और संवैधानिक अधिकारों से ऊपर नहीं रखा जा सकता। वित्तीय सीमाएं भुगतान के तरीके को तय कर सकती हैं, लेकिन वे कानूनी दायित्व से बचने का बहाना नहीं बन सकतीं। पेंशन न्यायशास्त्र में एक अन्य महत्वपूर्ण विकास बकाया राशि (एरियर) की समय-सीमा को लेकर हुआ है। सामान्य नियम के तहत, जैसा कि शिव दास, तरसेम सिंह और प्रेम सिंह में तय किया गया था, देरी से अदालत आने पर पेंशन का मौद्रिक बकाया याचिका दायर करने से पूर्व के तीन वर्षों तक सीमित रहता है। 18 नवंबर, 2026 के फैसले में अदालत ने इस नियम को बरकरार रखा, लेकिन साथ ही एक मानवीय संतुलन भी साधा। अदालत ने स्पष्ट किया कि तीन वर्ष की यह सीमा उन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कानूनी उत्तराधिकारियों पर लागू नहीं होगी, जिनका निधन प्रेम सिंह का फैसला आने से पहले ही हो चुका था। इसके अलावा, इसी वर्ष आए माया बनर्जी बनाम भारत संघ (2026) और पुराने एस.के. मस्तान बी फैसले को भी कोर्ट ने अनुच्छेद 15(3) के आलोक में स्पष्ट करते हुए बताया कि असहाय विधवाओं के पारिवारिक पेंशन के मामलों में तीन साल की सीमा की कठोरता लागू नहीं होती। उच्चतम न्यायालय ने अपने ताजा फैसले को ह्यइन रेमह्ल (सर्वव्यापी) घोषित किया है। इसका अर्थ है कि इसका लाभ केवल मुकदमा लड़ने वाले कर्मचारियों या संघों के सदस्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश के हर उस पात्र कर्मचारी को मिलेगा जो इस दायरे में आता है।

संदेशों में निहित है देश की प्रगति

गुरूनानक जी का जन्म कार्तिक पूर्णिमा के दिन हुआ था। इस वर्ष गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व (गुरुनानक जयंती) 24 नवंबर को मनाया जाएगा। यह उनकी 557वीं जयंती होगी। हर साल कार्तिक मास की पूर्णिमा को सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। गुरुनानक देवजी का जन्म राय भोई की तलवंडी में हुआ था, जिसे अब ननकाना साहिब (पंजाब, पाकिस्तान) के नाम से जाना जाता है।

(गुरुनानक जयंती पर विशेष)

डॉ.लोकेश कुमार चन्देल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहा करते हैं कि गुरुनानक देव जी का जीवन, संदेश और शिक्षाएं मानवता तथा देश की प्रगति के लिए प्रेरणादायक हैं। गुरु नानकजी ने जीवन जीने का मार्ग दिखाया। उनके मंत्र ह्यनाम जपो, किरत करो, वंड छकोह्ल का आध्यात्मिक चिंतन, कर्तव्यनिष्ठा से मेहनत, भौतिक समृद्धि और आपस में मिल-बांटकर खाने और सामाजिक समरसता की प्रेरणा देने वाला बताया।

प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि गुरु नानकजी का जीवन और संदेश शाश्वत ज्ञान से मानवता का मार्गदर्शन करता है और उनकी करुणा, समानता, विनम्रता व सेवा की शिक्षा समाज को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करती हैं।

गुरूनानक जी का जन्म कार्तिक पूर्णिमा के दिन हुआ था। इस वर्ष गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व (गुरुनानक जयंती) 24 नवंबर को मनाया जाएगा। यह उनकी 557वीं जयंती होगी। हर साल कार्तिक मास की पूर्णिमा को सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। गुरुनानक देवजी का जन्म राय भोई की तलवंडी में हुआ था, जिसे अब ननकाना साहिब (पंजाब, पाकिस्तान) के नाम से जाना जाता है। लाहौर के पास स्थित (वर्तमान पाकिस्तान में) है। वह स्थान सिख धर्म के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है। गुरु नानक देव जी सिख धर्म के संस्थापक और प्रथम सिख गुरु हैं। वे सत्य, करूणा, समानता और सेवा का मार्ग दिखाते हैं।

उनकी माता का नाम तृप्ता देवी और पिता का नाम मेहता कालू (कालूराम) था।

उन्होंने अपने शिष्य भाई लहणा को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया, जो आगे चलकर गुरु अंगद देव कहलाए।गुरु नानक देव जी की शिक्षा- एक ईश्वर की उपासना, समानता, ईमानदार जीवन और निस्वार्थ सेवा पर आधारित थीं। उन्होंने समाज में एकता, सच्चाई और मानवता का संदेश दिया। वे कहते थे कि एक ओंकार (ईश्वर एक है, परमात्मा एक है, सर्वव्यापी है और सभी का सृष्टिकर्ता है। नाम जपोः- हमेशा ईश्वर का स्मरण और भजन करना चाहिए। किरत करोः- मेहनत और ईमानदारी से आजीविका कमाना चाहिए। वंड छकोः- अपनी कमाई और संसाधनों को जरूरतमंदों के साथ मिल-बांटकर साझा करना चाहिए।

उनकी शिक्षाएं मुख्य रूप से मानव समानता, निस्वार्थ सेवा, परिश्रम और सांप्रदायिक सद्भाव पर आधारित हैं। उनका मानना था कि आध्यात्मिक उन्नति केवल संन्यास लेने से नहीं, बल्कि समाज में रहते हुए नैतिक और न्यायपूर्ण जीवन जीने से होती है। सामाजिक समानता और जाति प्रथा का विरोधः-गुरु नानक देवजी ने जन्म या जाति के आधार पर होने वाले ऊंच-नीच के भेदभाव को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने समझाया कि सभी मनुष्य एक ही ईश्वर की संतान हैं। समाज से छुआछूत मिटाने के लिए उन्होंने ह्यसंगतह्ल (एक साथ बैठकर ईश्वर का भजन करना) और ह्यपंगतह्ल या लंगर प्रथा की शुरूआत की। लंगर में राजा हो या रंक, उच्च जाति का हो या निम्न जाति का, सभी को एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करना अनिवार्य था।

मध्यकालीन समाज में जब महिलाओं की स्थिति बहुत दयनीय हो गई थी, छोटी-छोटी बालिकाओं का विवाह कर दिया जाता था। डर के कारण जन्म के साथ ही बच्चियों को मार दिया जाता था। ऐसी स्थिति में गुरु नानकजी ने स्त्री-पुरुष की बराबरी की पुरजोर वकालत की। उन्होंने महिलाओं के सम्मान में कहा कि ह्यसो क्यों मंदा आखिए, जित जम्मे राजानह्ल (उस स्त्री को बुरा क्यों कहा जाए, जो राजाओं और महान पुरुषों को जन्म देती है)।

उन्होंने सती प्रथा और पर्दा प्रथा जैसी कुरीतियों का भी जमकर विरोध किया।

ईमानदारी की कमाई और साझा करना (किरत करो और वंड छको) किरत करो (ईमानदारी से परिश्रम)-मनुष्य को किसी का शोषण किए बिना, अपनी मेहनत और ईमानदारी से आजीविका कमानी चाहिए। उन्होंने अमीर जमींदार मलिक भागो के शाही भोजन को ठुकराकर एक गरीब बढ़ई भाई लालो की रूखी-सूखी रोटी को स्वीकार किया, क्योंकि भाई लालो की कमाई मेहनत की थी।

वंड छको (मिल-बांटकर खाना) : अपनी ईमानदारी की कमाई का एक हिस्सा गरीबों, जरूरतमंदों और समाज की भलाई के लिए साझा करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। इससे समाज में आर्थिक विषमता कम होती है और परोपकार की भावना बढ़ती है।

धार्मिक सद्भाव और मानवतावादः- उन्होंने ह्यइक ओंकारह्ल का संदेश दिया, जिसका अर्थ है कि ईश्वर एक है और वह हर प्राणी में निवास करता है। ज्ञान प्राप्ति के बाद उनका पहला वाक्य था ह्यन कोई हिंदू है, न कोई मुसलमानह्ल। उनका आशय था कि ईश्वर की नजर में सभी इंसान केवल 'मानव' हैं।

उन्होंने विभिन्न धर्मों के बीच की कट्टरता को कम कर आपसी भाईचारे और शांति का संदेश दिया। अंधविश्वास और बाहरी आडंबरों का खंडनः- उन्होंने समाज में फैले पाखंड, मूर्ति पूजा और निरर्थक कर्मकांडों का विरोध किया। हरिद्वार में जब लोग पूर्व दिशा की ओर सूर्य और अपने पूर्वजों को जल अर्पित कर रहे थे, तब उन्होंने पश्चिम दिशा की ओर जल फेंकना शुरू कर दिया। पूछने पर उन्होंने तर्क दिया कि यदि उनका जल लाखों मील दूर पूर्वजों तक पहुंच सकता है, तो मेरा जल कुछ मील दूर करतारपुर के खेतों तक क्यों नहीं पहुंच सकता? इस प्रकार उन्होंने लोगों को अंधविश्वास से निकालकर कर्म प्रधान बनने की प्रेरणा दी। वे कहते थे कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है। बिना किसी स्वार्थ या बदले की भावना के दूसरों की सहायता करना ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने अहंकार को मनुष्य और समाज का सबसे बड़ा शत्रु बताया और विनम्रता, क्षमा तथा करुणा को अपनाने की शिक्षा दी। बहरहाल, हम यही कह सकते हैं कि उनके सिद्धांत आज विश्व में फैल रहे वैमनस्यता समाप्त करने का मुख्य जरिया हो सकता है। नानक देव जी ने समानता, भाईचारे और निस्वार्थ सेवा के माध्यम से समाज को जोड़ने और सामाजिक समरसता स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने जाति, धर्म और लिंग के भेदभाव को नकारते हुए सभी को एक समान माना। उन्होंने लंगर की शुरूआत की, जहां सभी लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। उन्होंने ऊंच-नीच और जन्म आधारित जाति व्यवस्था का विरोध किया और सभी मनुष्यों को ईश्वर की संतान बताया। **(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)**

वैश्विक बाजार में भारतः निर्यात के नए भूगोल से बदल रही आर्थिक तस्वीर

देखने में आ रहा है कि इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, पेट्रोलियम, रसायन और औषधि उद्योग इस विस्तार के प्रमुख आधार बनकर उभरे हैं। हमारे लिए निर्यात बढ़ने का अर्थ है कि दुनिया के दूसरे देशों में उस देश के उत्पादों की स्वीकार्यता बढ़ रही है। एशिया को भारत का निर्यात 21 प्रतिशत बढ़कर 103.84 अरब डॉलर हो गया। अमेरिका को 66.82 अरब डॉलर और यूरोप को 51.04 अरब डॉलर का निर्यात हुआ।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

विश्व में बदलते व्यापारिक समीकरणों और बाजारों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के दौर में भारत का वस्तु निर्यात नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में अफ्रीका से लेकर एशिया, अमेरिका और यूरोप तक भारतीय उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होना इस बदलाव का संकेत है। खास बात यह है कि भारत के निर्यात की रफ्तार आज पारंपरिक बाजारों से आगे जाकर अफ्रीका में 44 प्रतिशत, एशिया में 21 प्रतिशत और अमेरिका में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करा रही है।

देखने में आ रहा है कि इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, पेट्रोलियम, रसायन और औषधि उद्योग इस विस्तार के प्रमुख आधार बनकर उभरे हैं। हमारे लिए निर्यात बढ़ने का अर्थ है कि दुनिया के दूसरे देशों में उस देश के उत्पादों की स्वीकार्यता बढ़ रही है। एशिया को भारत का निर्यात 21 प्रतिशत बढ़कर 103.84 अरब डॉलर हो गया। अमेरिका को 66.82 अरब डॉलर और यूरोप को 51.04 अरब डॉलर का निर्यात हुआ। सबसे श्रेष्ठ प्रदर्शन अफ्रीका का रहा, जहां भारतीय वस्तुओं का निर्यात 44 प्रतिशत बढ़कर 31.42 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

भारत का निर्यात आज कुछ गिने-चुने देशों और बाजारों पर निर्भर रहने के बजाय अनेक भौगोलिक क्षेत्रों में अपना विस्तार कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में यह विविधीकरण आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। सबसे अधिक दक्षिण अफ्रीका, तंजानिया, केन्या, मिस्र, नाइजीरिया और मोजाम्बिक जैसे बाजारों में भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ी है। तंजानिया को निर्यात में 121 प्रतिशत और केन्या में 101 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। मिस्र में यह वृद्धि 73 प्रतिशत रही। दक्षिण अफ्रीका को 5.69 अरब डॉलर का निर्यात हुआ।

इस विस्तार के पीछे पेट्रोलियम उत्पादों और इंजीनियरिंग वस्तुओं की महत्वपूर्ण भूमिका भी दिखाई देती है। अफ्रीका को पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 137 प्रतिशत बढ़कर 11.85 अरब डॉलर पहुंच गया। इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात भी 29 प्रतिशत बढ़कर 7.48 अरब डॉलर हो गया। वैश्विक विकास के नजरिए से देखें तो अफ्रीका तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं, आधारभूत संरचना की जरूरतों और बढ़ते उपभोक्ता बाजार वाला महाद्वीप है। ऐसे में स्वभाविक है कि भारत के लिए भी यहां व्यापार विस्तार के साथ औद्योगिक सहयोग, तकनीकी साझेदारी और दीर्घकालिक आर्थिक संबंधों की भी व्यापक संभावनाएं हैं। यहां एक नजर एशिया पर भी डाल लेते हैं, यह लंबे समय से भारत का महत्वपूर्ण व्यापारिक क्षेत्र है। अब इस बाजार में भारतीय निर्यात की बढ़ती गति नए अवसर पैदा कर रही है। चीन को निर्यात 36 प्रतिशत बढ़कर 11.39 अरब डॉलर और सिंगापुर को निर्यात 103 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 11.07 अरब डॉलर पहुंचा है। मलेशिया में 83 प्रतिशत और हांगकांग में 37 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। बांग्लादेश, नेपाल, जापान, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, दक्षिण कोरिया और वियतनाम जैसे बाजार भी भारत के निर्यात विस्तार में योगदान दे रहे हैं।

इन राष्ट्रों में उत्पादों की बात करें तो इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात 27.47 अरब डॉलर रहा। पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 17.05 अरब डॉलर और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निर्यात 10.54 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में 91 प्रतिशत की वृद्धि विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के निर्यात में एशिया में 91 प्रतिशत की वृद्धि इस क्षेत्र की संभावनाओं को रेखांकित करती है। इंजीनियरिंग उत्पादों की व्यापक मांग भी भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के लिए सकारात्मक संकेत है।

अफ्रीका एवं एशिया की तरह ही अमेरिका भारत के निर्यात का एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है। इस क्षेत्र में निर्यात 13 प्रतिशत बढ़कर 66.82 अरब डॉलर हो गया। इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका की हिस्सेदारी सबसे बड़ी रही, जहां 50.80 अरब डॉलर का निर्यात दर्ज किया गया। ब्राजील, मैक्सिको और कनाडा में भी भारतीय वस्तुओं की मांग बढ़ी है। इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात 19.19 अरब डॉलर और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का 15.35 अरब डॉलर रहा। औषधियों और फार्मास्यूटिकल्स का निर्यात भी 6.59 अरब डॉलर तक पहुंचा। यूरोप में भारत का निर्यात 8 प्रतिशत बढ़कर 51.04 अरब डॉलर हो गया। ब्रिटेन और जर्मनी प्रमुख बाजार रहे। स्पेन को निर्यात में 45 प्रतिशत, इटली में 25 प्रतिशत और तुर्किये में 72 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वस्तुतः इन सभी आंकड़ों का महत्व इसलिए भी है क्योंकि यूरोप और अमेरिका जैसे बाजारों में गुणवत्ता, तकनीकी मानकों और प्रतिस्पर्धी कीमतों की कसौटी अपेक्षाकृत कठिन होती है। ऐसे बाजारों में भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहुंच घरेलू उद्योगों की क्षमता के विस्तार का संकेत देती है।

वस्तुतः यह बदलाव बताता है कि भारतीय निर्यात की पहचान बदलते दौर में आज परंपरागत वस्तुओं के साथ तकनीक और विनिर्माण आधारित उत्पादों से भी बन रही है। सीआईएस और बाल्टिक देशों में निर्यात सात प्रतिशत बढ़कर 3.36 अरब डॉलर होना भी बताता है कि भारत पारंपरिक व्यापारिक क्षेत्रों के अतिरिक्त नए बाजारों में अपनी उपस्थिति बनाए हुए है। रूस, जॉर्जिया, आर्मेनिया और कजाकिस्तान जैसे देशों के साथ व्यापारिक संभावनाओं को और विकसित किया जा सकता है। भारत के सामने आज अवसर यह है कि वह अपनी विशाल घरेलू उत्पादन क्षमता को वैश्विक मांग से जोड़े। अफ्रीका की तेजी से बढ़ती मांग और एशिया का व्यापक बाजार के अतिरिक्त अमेरिका और यूरोप की औद्योगिक जरूरतें तथा नए व्यापारिक क्षेत्रों की संभावनाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण हैं। वर्तमान में यह वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही के आंकड़े बता रहे हैं कि भारत के निर्यात का भूगोल व्यापक हो रहा है और उत्पादों की विविधता भी बढ़ रही है।

आखिर किसी भी देश की आर्थिक शक्ति का वास्तविक अर्थ भी तभी सामने आता है, जब उसके उत्पाद दुनिया के बाजारों में प्रतिस्पर्धा करें, उसके उद्योग रोजगार पैदा करें और उसकी उत्पादन क्षमता वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे। वस्तुतः भारत के लिए निर्यात वृद्धि इसी बड़े लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर है। आने वाले समय में इस अवसर को कितनी दूरदर्शिता, नीतिगत स्थिरता और औद्योगिक क्षमता के साथ आगे बढ़ाया जाता है, इसी से वैश्विक व्यापार में भारत की वास्तविक स्थिति तय होगी। फिलहाल भारत के सामने चीन की चुनौती तो बरकरार है ही, साथ ही आसियान देशों के साथ हो रहे आयात-निर्यात में भी भारत को अभी बहुत कुछ अपने लिए नए अवसरों को खोजना और जो हैं उन्हें गति देना शेष है!

देश के बाहर भारतीय चुनावी व्यवस्था को भ्रष्ट सिद्ध करने का अभियान क्यों

हृदयनारायण दीक्षित

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भारतीय राजनीति से निराश हैं। जनता उनकी पार्टी को घास नहीं डालती। इसीलिए वे अब अमेरिका की शरण में हैं। वे अमेरिका में भारत की बदनामी में अतिरिक्त सक्रिय हैं। वे भारत में 2024 के चुनाव को अवैध सिद्ध करने का अभियान चला रहे हैं। दरअसल 2014, 2019 व 2024 के आम चुनाव के नतीजे राहुल की पार्टी के विपरीत रहे। लगातार हारते हुए राहुल गांधी लस्त-पस्त हैं। वे तय नहीं कर पा रहे हैं कि खुले मन से हार स्वीकार करें या कांग्रेस मजबूत करें या भारतीय चुनाव प्रणाली को निशाने पर लेते रहें।

वे 19 नवंबर 2026 के दिन अमेरिका के शिकागो विश्वविद्यालय में थे। राजनीति विज्ञान के छात्रों और अध्यापकों को संबोधित करते हुए राहुल ने साल 2024 के आम चुनाव को पूरी तरह से अवैध ठहराया। वे भूल गए कि इसी विश्वविद्यालय में भारतीय धर्म दर्शन की श्रेष्ठता पर स्वामी विवेकानंद ने महत्वपूर्ण भाषण दिया था। अच्छा होता कि वे विवेकानंद से प्रेरणा लेते और यूनिवर्सिटी में भारतीय लोकतंत्र की प्रशंसा करते। वे भूल गए कि 2024 के जिस चुनाव को वे अवैध बता रहे हैं, वे स्वयं इसी चुनाव के परिणामों के आधार पर नेता प्रतिपक्ष निर्वाचित हुए हैं। वो ये भी भूल गए कि वे अमेरिका में हैं और भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना को कुठाराघात कर रहे हैं। राहुल ने यह भी कहा है कि कांग्रेस को 2024 के लोकसभा चुनाव के समय से ही चुनावी गड़बड़ी का अंदेशा था। अब उनके पास सबूत आ गए हैं।

मूलभूत प्रश्न है कि वे देश के बाहर भारतीय चुनाव को भ्रष्ट सिद्ध करने के अभियान को क्यों चला रहे हैं? क्या अमेरिका उनकी बेचैनी का कोई समाधान कर सकता है? क्या हजारों वर्ष प्राचीन संस्कृति वाले राष्ट्र भारत की चुनाव प्रणाली में कोई हस्तक्षेप करने की स्थिति में है? इसका उत्तर साफ है कि भारत संप्रभु राष्ट्र है। भारत दुनिया के किसी भी देश के दबाव या प्रभाव में काम नहीं करता। भारत स्वभाव से ही लोकतंत्र का उपासक है। भारत में वैदिककाल से ही सभा और समितियां हैं। भारतीय धर्म दर्शन में सहमति और असहमति की सांस्कृतिक निरंतरता है। भारत को दुनिया के किसी अन्य देश से प्रेरित होने की आवश्यकता नहीं है। लोकतंत्र भारत की जीवनशैली है। राहुल पराजित मानसिकता के कारण वाणी और व्यवहार का समन्वय भी नहीं कर पाते। राहुल की पार्टी जहां-जहां हारती है वहां वहां ईवीएम पर आरोप लगाती है। चुनाव आयोग पर भी तथ्यहीन आरोप लगाती है।

भारत में संविधान की सत्ता है। संविधान को मानना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। राहुल जैसे नेता संविधान का सम्मान नहीं करते। संवैधानिक संस्थाओं पर हमला बोलना, संविधान से इनकार करना है। संविधान को न मानने वाले भारत के नागरिक नहीं हो सकते। राहुल की पार्टी संसद चलने नहीं देती। संसद ही सहमति और असहमति व्यक्त करने का सर्वोपरि संवैधानिक निकाय है। लोकतंत्र में संवैधानिक निष्ठा अनिवार्य है लेकिन वे न्यायालयों की गरिमा का ध्यान नहीं रखते। भारतीय चुनाव आयोग की प्रशंसा सारी दुनिया में होती है। इसी अपने चुनाव आयोग की भर्त्सना निन्दा मर्यादाहीन आचरण को भी पार करती है। हालांकि अमेरिका में उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में यह भी कहा है कि भारतीय लोकतंत्र हमारे लिए पवित्र है। उनका बयान उचित है लेकिन इसी लोकतंत्र को वे लगातार अपमानित कर रहे हैं। चुनाव लड़कर संसद या विधान मण्डल में पहुंचना प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है। सरकार बनाने चुनाव के माध्यम से यथाविधि सत्ता प्राप्त करने की संवैधानिक व्यवस्था को चुनौती नहीं दी जा सकती। सत्ता अराजकता फैला कर नहीं मिलती है। संविधान का कोई विकल्प नहीं होता। उनकी पार्टी का जनाधार समाप्त हो गया है तो ये उनकी समस्या है। भारत भूमि से बाहर भारतीय अर्थव्यवस्था के भरभरा के गिर जाने की घोषणा भी राहुल ने की है। वे अर्थशास्त्र के जानकार नहीं हैं।

ब्रिटेन में भी संसदीय व्यवस्था है। ब्रिटिश संसद में भी नेता विरोधी दल होते हैं। ऐसा अवसर कभी नहीं आया कि ब्रिटेन के नेता विरोधी दल दुनिया के किसी भी अन्य देश में अपनी व्यवस्था की निन्दा करते। ब्रिटेन के राजनैतिक दल लेबर और कंजरवेटिव आपस में अपने देश के भीतर ही खूब बहस करते हैं। नीतियों की आलोचना करते हैं। यूरोप के देशों में कोई विपक्षी दल या नेता देश के बाहर देश की निन्दा नहीं करते। संयुक्त राज्य अमेरिका की संघीय व्यवस्था राज्यों की राजनीति को तमाम अवसर देती है। वहां दो विपरीत विचारधारा के राजनैतिक दल हैं रिपब्लिकन और डेमोक्रेट। लेकिन अमेरिका के किसी विपक्षी नेता ने अपने देश के बाहर अपने देश की निन्दा नहीं की। भारत विशाल लोकतंत्र है। यहां के नेता प्रतिपक्ष को हल्की बातें नहीं करनी चाहिए। उन्हें उच्च सुशिक्षित अर्थशास्त्रियों की सही परामर्श देने वाली एक टीम अपने पास रखनी चाहिए। आयात और निर्यात के आंकड़े भी देखने चाहिए। उनका सम्यक विश्लेषण भी करते रहना चाहिए। वित्त मंत्री की तरफ से तमाम आंकड़े दिए गए हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

बैंकिंग योजनाओं ऋण वितरण वित्तीय समावेशन और सरकारी योजनाओं की प्रगति की हुई समीक्षा

संवाददाता



साहिबगंज:उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार में जिला परामर्शदात्री समिति एवं की द्वितीय त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान वित्तीय वर्ष 2026-27 की द्वितीय तिमाही अर्थात सितंबर 2026 तक विभिन्न बैंकिंग एवं सरकारी योजनाओं के अंतर्गत हुई प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस क्रम में बैंकों की ऋण योजनाओं की उपलब्धियों, ऋण-जमा अनुपात वार्षिक साख योजना के अंतर्गत ऋण वितरण एवं कुल बकाया ऋण की स्थिति की समीक्षा की गई।इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना एवं किसान क्रेडिट कार्ड के लंबित आवेदनों की अद्यतन स्थिति, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम , स्टैंड अप इंडिया योजना सहित अन्य सरकारी प्रायोजित ऋण योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई।बैठक में वित्तीय समावेशन के तहत प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना की उपलब्धियों की समीक्षा की गई। साथ ही प्रधानमंत्री जन-धन योजना, महिला स्वयं सहायता समूहों के बैंक लिंकेज एवं क्रेडिट लिंकेज, संयुक्त देयता समूह तथा कौशल विकास के अंतर्गत ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान की कार्ययोजना की भी समीक्षा की गई।इसके अलावा दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन , प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्ट्रीट वेंडरों को ऋण उपलब्ध कराने की प्रगति, शिक्षा ऋण, आवास ऋण एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना की स्थिति पर चर्चा की गई।बैठक में एटीएम, आधार केंद्र एवं शाखाओं की स्थिति, महिला उद्यमियों को दिए गए ऋण, अल्पसंख्यक समुदाय तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लाभुकों को ऋण उपलब्ध कराने की प्रगति की भी समीक्षा की गई। साथ ही वित्तीय वर्ष 2026-27 की द्वितीय तिमाही तक के गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों एवं सरकार द्वारा प्रायोजित ऋण योजनाओं के अंतर्गत एनपीए की स्थिति पर विचार-विमर्श किया गया।

इसके अतिरिक्त साहिबगंज जिले में आयोजित वित्तीय समावेशन संतृप्ति शिविर की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इस संबंध में उपायुक्त ने बैंकिंग योजनाओं एवं सरकारी ऋण योजनाओं की प्रभावी क्रियान्वयन प्रक्रिया में संबंधित बैंकों विभागों के बीच समन्वय के महत्व पर बल दिया। बैठक का उद्देश्य जिले में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना, पात्र लाभुकों तक बैंकिंग सुविधाओं एवं ऋण योजनाओं का लाभ पहुंचाना तथा विभिन्न योजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा करना रहा। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री सतीश चंद्रा, डीपीएम जेएसएलपीएस मतिन तारिक सहित जिले के विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रांसफार्मर मरम्मत के नाम पर ग्रामीणों से पैसे वसूली का आरोप

बरकट्ठा : प्रखंड क्षेत्र के जतघघरा गांव में बिजली व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों ने झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों ने 11 केवी/400 वोल्ट विद्युत वितरण ट्रांसफार्मर के संचालन एवं रख रखाव की जिम्मेदारी विभाग द्वारा नहीं निभाए जाने तथा इसके बदले ग्रामीणों से पैसे वसूले जाने की शिकायत की है। इस संबंध में ग्रामीणों ने विद्युत प्रमंडल बरही के कार्यपालक अभियंता को आवेदन देकर समस्या के समाधान की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि गांव में विद्युत आपूर्ति के लिए 11 केवी/400 वोल्ट का वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। लेकिन ट्रांसफार्मर के संचालन एवं रखरखाव से संबंधित कार्यों में विभागीय उदासीनता के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों का आरोप है कि ट्रांसफार्मर के रखरखाव, मरम्मत एवं खराब उपकरणों को बदलने का खर्च विभाग द्वारा वहन करने के बजाय ग्रामीणों से पैसे एकत्रित कर वसूला जा रहा है। इससे आम नागरिकों, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है।आवेदन में कहा गया है कि बिजली वितरण व्यवस्था के अंतर्गत स्थापित उपकरणों के रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होनी चाहिए। ग्रामीणों से अलग से पैसे की मांग करना उचित नहीं है। ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों से मामले की जांच कर ट्रांसफार्मर के संचालन, रखरखाव एवं मरम्मत की जिम्मेदारी विभाग द्वारा सुनिश्चित करने तथा ग्रामीणों से अवैध रूप से पैसे की वसूली पर रोक लगाने की मांग की है।

कार्तिक पूर्णिमा पर मुक्तेश्वर धाम में उमड़ी श्रद्धालु महिलाओं की भीड़ गंगा स्नान कर की पूजा-अर्चना

संवाददाता



साहिबगंजःकार्तिक मास की पूर्णिमा एवं बैकुंठ दीपावली के पावन अवसर पर मंगलवार को साहिबगंज के मुक्तेश्वर धाम स्थित गंगा घाट पर सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालु महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी।एक माह तक कार्तिक स्नान करने वाली महिलाओं ने सुबह गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।गंगा स्नान के बाद महिलाओं ने तुलसी चौरा एवं शालिग्राम की परिक्रमा की तथा भजन-कीर्तन कर भगवान की आराधना की।इसके बाद एक महीने तक कार्तिक माह की कथा सुनाने वाले पुरोहितों को दान-दक्षिणा देकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। महिलाओं ने अपने परिवार की सुख-समृद्धि,मंगल एवं खुशहाली की कामना की।इस अवसर पर पुरोहित प्रमोद पांडे,संजय उपाध्याय एवं दिनेश मिश्रा सहित दर्जनों पुरोहितों ने श्रद्धालुओं को कार्तिक स्नान के धार्मिक महत्व की जानकारी दी। पुरोहितों ने बताया कि कार्तिक मास में पूरे एक महीने तक नियमित रूप से गंगा स्नान,पूजा-पाठ,भजन-कीर्तन और दान-पुण्य करने की विशेष धार्मिक मान्यता है।कार्तिक पूर्णिमा के दिन इस मासव्यापी धार्मिक अनुष्ठान का समापन होता है।इस अवसर पर श्रद्धालु महिलाएं पूरे महीने की पूजा-अर्चना और गंगा स्नान का पुण्य प्राप्ति की कामना के साथ भगवान से परिवार के कल्याण का आशीर्वाद मांगती हैं।

चक्रवाती बारिश ने किसानों की तोड़ी कमर, खेतों में बर्बाद हुई फसलें मुआवजे की मांग

कर्ज लेकर खेती करने वाले किसानों पर टूटा मुसीबतों का पहाड़ सालभर की मेहनत पर फिरा पानी

संवाददाता



साहिबगंज/उधवा : चक्रवाती तूफान ह्यअकवानह्ल के प्रभाव से झारखंड के कई इलाकों में हुई हल्की बूंदाबांदी ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लगातार कई दिनों तक हुई बारिश के कारण खेतों में लगी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। इसका सबसे अधिक असर उधवा प्रखंड के किसानों पर देखने को मिल रहा है। खेतों में लहलहाती फसलें बारिश की भेंट चढ़ गईं, जिससे किसानों की सालभर की मेहनत पर पानी फिर गया है। फसल बर्बाद होने से किसान आर्थिक संकट में घिर गए हैं। जानकारी के अनुसार, प्रखंड के चांदशहर पंचायत में बारिश के कारण कई किसानों की फसलों को काफी नुकसान हुआ है।किसानों का कहना है कि उन्होंने कर्ज लेकर खेती की थी और अच्छी पैदावार की उम्मीद में दिन-रात मेहनत की थी। लेकिन चक्रवाती बारिश ने उनकी सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। अब फसल बर्बाद होने के बाद उनके सामने कर्ज चुकाने और परिवार का भरण-पोषण करने की चिंता खड़ी हो गई है। पीड़ित किसान तैफुर शेख, अनवार शेख, साफियान शेख, विश्वनाथ रजक, राजकुमार शाह, हसरुल हुसैन, सत्तार शेख, जहांगीर शेख, नज्जू शेख एवं रफीकुल शेख ने बताया कि खेती के लिए उन्होंने कर्ज लेकर बीज, खाद और अन्य कृषि सामग्री खरीदी थी। उन्हें उम्मीद थी कि फसल तैयार होने पर अच्छी आमदनी होगी और कर्ज भी चुका देंगे।

बरहेट के खिजुरखाल सिमलढाब लैंप्स में अनुदानित दर पर गेहूं बीज का किया वितरण

संवाददाता



साहिबगंज/बरहेटःप्रखंड क्षेत्र के खिजुरखाल एवं सिमलढाब लैंप्स में किसानों के बीच उन्नत किस्म के गेहूं बीज का वितरण किया गया।बीज वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रखंड प्रमुख बर्नार्ड मरांडी एवं प्रखंड सचिव मुजिबुर्रहमान मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान अतिथियों ने बारी-बारी से पंजीकृत किसान मेघराय हेंब्रम,मोटका मुर्मू,विदर मुर्मू,साहेब मुर्मू कृष्ण साह अशोक को गेहूं का बीज सौंपा।मौके पर प्रखंड प्रमुख बर्नार्ड मरांडी ने कहा कि झारखंड सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है।सरकार किसानों की आय दोगुनी करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने किसानों से समय पर खेतों की जुताई कर उन्नत बीज की बुवाई करने की अपील की,ताकि बेहतर पैदावार हो सके। वहींसचिव मुजिबुर्रहमान ने कहा कि लैंप्स के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र किसानों तक पहुंचाया जा रहा है।बीज मिलने से क्षेत्र के किसानों में काफी उत्साह देखा गया। मौके पर सिमलढाब लैम्प्स के अध्यक्ष मार्सेल मुर्मू,सचिव जूलियस मुर्मू खिजरखाल लैंप्स के अध्यक्ष मंडल हांसदा,सचिव चारलेस सोरेन सिमलढाब झामुमो पंचायत अध्यक्ष ईश्वर हेंब्रम सचिव सुनील कापरी खिजूर खाल पंचायत अध्यक्ष सुनील सोरेन सचिव बब्लू मरांडी सहित शमीम अंसारी लखीराम हेंब्रम,पुसा टुडू,अब्दुल मजीद,चुनू मरांडी,समदा सोरेन,सामयल मुर्मू,बहादुर टुडू, मोनिका मुर्मू, मनोज किस्कू,जीवन चोंडे,सहित अन्य मौजूद थे।

मजदूर दिन-रात मेहनत कर रेलवे के कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं : संजय गुप्ता

श्रमिकों के लिए पहचान पत्र विश्राम भवन पेयजल शौचालय और मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने की मांग उठाई

संवाददाता



साहिबगंज:जिले के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर रैक साइडिंग में कार्यरत मजदूरों की समस्याओं और यात्री सुविधाओं की कमी को लेकर झारखंड मजदूर संघ ने आवाज बुलंद की है।संघ की ओर से मजदूरों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने रेलवे रैक साइडिंग में धूलकण पर नियंत्रण के लिए जल छिड़काव की व्यवस्था करने और विभिन्न एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों के ठहराव सहित दस सूत्री मांगो को लेकर मालदा स्टेशन के समक्ष एक दिवसीय धरना-दिया।जिसकी अध्यक्षता केन्द्रीय अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता और मंच संचालन रणधीर प्रसाद चौरसिया ने किया।जिसमें मुख्य अतिथि केन्द्रीय महामंत्री राजकुमार यादव सहित झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक के केन्द्रीय एवं जिला कमिटी के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिये।इस संबंध में झारखंड मजदूर संघ के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि साहिबगंज जिले के विभिन्न रेलवे स्टेशनों और रैक साइडिंग में काम करने वाले मजदूरों को आज भी जरूरी सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है।मजदूर दिन-रात मेहनत कर रेलवे के कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं,लेकिन उनके लिए पेयजल,शौचालय,विश्राम भवन और चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।रैक साइडिंग में उड़ने वाले धूलकणों से मजदूरों के साथ-साथ आसपास के लोगों को भी परेशानी होती है।उन्होंने कहा कि मजदूरों के हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।रेल प्रशासन को इन समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर जल्द सकारात्मक कार्रवाई करनी चाहिए।साहिबगंज जिले के सभी रेलवे स्टेशन के रेक साइडिंग में [illegible] चौकी,करमटोला,सकरीगली,तालझारी,तीनपहाड़,बाकुडी और बरहरवा आदि स्टेशन में रेल प्रशासन द्वारा लोडिंग मजदूरों को कोई सुविधा नहीं है।और एक मांग पत्र डीआरएम कार्यालय में डीआरएम को सौंपा गया।धरना प्रदर्शन मे जिला कार्यकारी अध्यक्ष सेईद अख्तर,जिला महामंत्री इमाम विश्वास,कृष्णा यादव पाकुड़, गुलाम सरवर राजमहल केन्द्रीय उपाध्यक्ष फुल कुमारी,केन्द्रीय मंत्री गणेश ठाकुर,विकास पहाड़ियां, मास्टर राहुल,अमित मास्टर,मुखलेश्वर राम,राकेश सुर,जितेंद्र रजक, निजामुद्दीन शेख,वाल्मीकि पासवान,भोला यादव,संजय रजक, मुन्ना यादव,मनोज कुमार,सरोज कुमार,दीपक कुमार सहित कई मजदूर शामिल थे।

संघ की प्रमुख मांगें

मिजाचौकी,करमटोला,सकरीगली, महाराजपुर करणपुरातो,तालझारी, तीनपहाड़,बाकुडी सहित जिले के सभी रेलवे स्टेशनों पर पेयजल और शौचालय की समुचित व्यवस्था की जाए मिजाचौकी करमटोला [illegible] तालझारी,तीनपहाड़,बाकुडी और बरहरवा सहित सभी प्रमुख रैक साइडिंग में बिजली,धूलकण रोकने के लिए नियमित जल छिड़काव तथा प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने की व्यवस्था की जाए।सभी कार्यरत रेलवे लोडिंग मजदूरों को पहचान पत्र उपलब्ध कराया जाए।सभी रेलवे रैक लोडिंग स्टेशनों पर मजदूरों के लिए श्रमिक विश्राम भवन का निर्माण कराया जाए तथा मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराई जाए।बाकुडी रेलवे स्टेशन के फुट ओवरब्रिज को छत सहित विस्तारित कर प्लेटफॉर्म संख्या 2 से प्लेटफॉर्म संख्या 5 स्थित साइडिंग तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाए।फरक्का एक्सप्रेस 15743/15744 व मालदा-किऊल इंटरसिटी एक्सप्रेस 13409/13410 का अप एवं डाउन में तालझारी रेलवे स्टेशन पर ठहराव सुनिश्चित किया जाए।भागलपुर-अजीमगंज पैसेंजर ट्रेन 53030 के माध्यम से बरहरवा से दुमका के लिए सीधी रेल सेवा शुरू की जाए।

न्यूज IN ब्रीफ

पढ़ाई और सकारात्मक गतिविधियों को जीवन का लक्ष्य बनाने की अपील

पदमा : प्रमंडलीय जनसंपर्क कार्यालय, उत्तरी छोटानागपुर के सौजन्य से हो इंटरटेनमेंट कल्चरल टीम की देखरेख में रामनारायण +2 उच्च विद्यालय, पदमा में नशा उन्मूलन एवं नशीली गतिविधियों की रोकथाम को लेकर एकदिवसीय सेमिनार सह कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई का नशा होना चाहिए, जो उनके जीवन और भविष्य को बेहतर बनाए, न कि ऐसा नशा जो जीवन को बर्बाद कर दे। विशिष्ट अतिथि एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. जॉनी रुफिना तिर्की ने कहा कि नशे की लत केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करती है। समाजसेवी एवं वक्ता चंदन सिंह ने कहा कि युवाओं में नशे की प्रवृत्ति अपराध, चोरी, छिनतई और हिंसा जैसी समस्याओं को बढ़ावा देती है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा सकारात्मक कार्यों में लगाने की अपील की। मुखिया अनिल मेहता ने नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री पर रोक लगाने और कानून को और सख्त करने की आवश्यकता जताई। अतिथि प्रेरणा कुमारी ने नशा उन्मूलन के लिए प्रशासन की पहल को सराहनीय बताया। विद्यालय के शिक्षक एवं कार्यक्रम संयोजक मधुसूदन कुमार सिंह ने प्रधानाध्यापक अजय प्रसाद के निर्देश पर आयोजित इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन शशिकांत कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन मधुसूदन कुमार सिंह ने किया। आयोजन में हो इंटरटेनमेंट कल्चरल टीम के सचिव रोहित कुमार एवं कोषाध्यक्ष पवन कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कबड्डी प्रतियोगिता में ज्ञान सरोवर पब्लिक स्कूल बना विजेता, लोयोला अकादमी उपविजेता

हजारीबाग : रौला स्थित लोयोला विद्यालय परिसर में सेवा दर्पण की ओर से आयोजित तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता उत्साह, खेल भावना और रोमांच के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई। प्रतियोगिता में जिले की कुल 16 टीमों के 144 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए ज्ञान सरोवर पब्लिक स्कूल, सलगावां, हजारीबाग की टीम ने विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि लोयोला अकादमी, हजारीबाग की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता के समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन के माध्यम से सेवा दर्पण ने युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उनमें अनुशासन, एकजुटता, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने का सराहनीय प्रयास किया। तीन दिनों तक चले मुकाबलों में खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा, रणनीति, मेहनत और दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। मैदान में खिलाड़ियों का उत्साह और दर्शकों का समर्थन प्रतियोगिता को लगातार रोमांचक बनाए रहा। इस सफल आयोजन में सेवा दर्पण के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रतियोगिता को व्यवस्थित एवं सफल बनाने में जय अक्षय, मोहित मनोहर, मुन्ना कुमार, सुनील कुमार, तपस रॉय, रोहित बजाज, अंशु कुमार, नसीम, हर्ष एवं रौशन कुमार ने सक्रिय सहयोग दिया। इन सभी सदस्यों के सामूहिक प्रयास, समर्पण और मेहनत से तीन दिवसीय प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई। सेवा दर्पण की इस पहल की सराहना करते हुए खेल प्रेमियों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलता है। साथ ही युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ती है और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। सेवा दर्पण ने इस आयोजन के जरिए यह संदेश दिया कि खेल केवल जीत और हार का माध्यम नहीं, बल्कि युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन, एकजुटता और सामाजिक सहभागिता का भी सशक्त माध्यम है।

हजारीबाग में राहुल दुबे गैंग के अपराधियों के साथ पुलिस की मुठभेड़, दो अपराधी घायल

हजारीबाग : जिले में पिछले कुछ दिनों से राहुल दुबे गैंग के अपराधियों द्वारा लगातार की जा रही फायरिंग की घटनाओं को लेकर हजारीबाग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार, 23 नवंबर 2026 को कटकमसांडी थाना क्षेत्र के डाटोखुर्द में हजारीबाग पुलिस और राहुल दुबे गैंग के अपराधियों के बीच मुठभेड़ होने की सूचना है। इस मुठभेड़ में दो अपराधी घायल हुए हैं। घायल अपराधियों की पहचान दीप नारायण भगत, पिता बिल्टू साव, निवासी पदमा, जिला हजारीबाग तथा राहुल कुमार उर्फ रॉकी, पिता द्वारिका रविदास, निवासी नगवां, जिला चतरा के रूप में हुई है। मुठभेड़ की सूचना मिलने के बाद हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अमन कुमार एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। एसपी ने संबंधित पदाधिकारियों को घायल अपराधियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने तथा मामले में आगे की कार्रवाई को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए। जिले में लगातार हो रही फायरिंग की घटनाओं के बीच पुलिस की इस कार्रवाई को अपराधियों के खिलाफ बड़ी पहल के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस की आगे की कार्रवाई और मुठभेड़ से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी की प्रतीक्षा है।

शिकागो विश्वविद्यालय में शोध पत्र प्रस्तुत कर विभावि लौटे डॉ उमेंद्र सिंह

हजारीबाग : पेरिस में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय शोध एवं नीति सम्मेलन नवंबर- 2026 में विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के अर्थशास्त्र विभाग के वरीय प्राध्यापक। डॉ उमेन्द्र सिंह ने शोध पत्र प्रस्तुत कर भारत का प्रतिनिधित्व किया। फ्रांस की राजधानी पेरिस से लौटने के बाद सोमवार को डॉ॰ उमेंद्र सिंह ने विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कला भवन में अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि ईएसओसी-रेसिपी अनुसंधान एवं नीति सम्मेलन 2026 की मेजबानी शिकागो विश्वविद्यालय के जॉन डब्ल्यू. बोयर सेंटर, पेरिस तथा पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स ने संयुक्त रूप से किया। बताया कि सम्मेलन में विभिन्न देशों के जाने माने अर्थशास्त्री, शोधकर्ता तथा नीति विशेषज्ञों ने सहभागिता की। ज्ञात हो कि इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पूरे भारत से केवल डॉ उमेंद्र सिंह का शोध पत्र ही प्रस्तुति के लिए स्वीकार किया गया था। डॉ॰ सिंह ने अपने शोध पत्र में संघर्ष एवं विकास नीतियों के अनुभवजन्य अध्ययन पर अपने अध्ययन प्रस्तुत किये जिसे अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक समुदाय ने खूब सराहा। गौरतलब है कि डॉ सिंह का शोध पत्र झारखंड में नक्सलवाद पर केंद्रित था। इस शोध पत्र के माध्यम से, उन्होंने दुनिया को बताया कि कैसे झारखंड ने नक्सलवाद पर धीरे-धीरे नियंत्रण स्थापित किया और भटके हुए लोगों को मुख्यधारा से जोड़ा। उनकी इस प्रस्तुति से अन्तरराष्ट्रीय पटल पर झारखंड का भी मान बढ़ा। बताते चलें कि डॉ उमेन्द्र सिंह उत्तर प्रदेश के सर्वोदय पीजी कॉलेज सलोन के पूर्व प्राचार्य तथा रायबरेली निवासी डॉ॰ जितेन्द्र सिंह के पुत्र हैं। अध्ययन-अध्यापन और शोध की बारीकियों की समझ, उन्हें विरासत में भी मिली हैं।
वैश्विक मंच द्वारा डॉ॰ उमेन्द्र सिंह के शोध पत्र का स्वीकार किया जाना तथा वैश्विक समुदाय के समक्ष पावर प्वाइंट प्रस्तुति के द्वारा उसकी प्रस्तुति करना उनकी अकादमिक दक्षता, निरंतर परिश्रम तथा शोध के प्रति उनके समर्पण को रेखांकित करता है। विश्वविद्यालय लौटने पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों ने डॉ उमेन्द्र सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया।

एसआईआर के नो मैपिंग और विसंगति वाले मतदाताओं की हुई सुनवाई

बरही : रमतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत बरही प्रखंड कार्यालय सभागार में नो मैपिंग एवं विसंगति के नोटिस प्राप्त मतदाताओं की सुनवाई की गई। इसमें एसडीओ जोहान टुडू, बीडीओ जयपाल महतो और सीओ चंद्रशेखर कुणाल ने मतदाताओं का पक्ष सुना। मौके पर संबंधित बीएलओ एवं बीएलए-2 भी उपस्थित रहे। इस संबंध में एसडीओ ने नोटिस प्राप्त मतदाताओं को संदेश दिया है कि जिनके पास सुनवाई के लिए आवश्यक वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं, वे अंचल कार्यालय से अपनी पारिवारिक सूची बनवा सकते हैं। ऐसे मतदाता बिना विलंब अंचल कार्यालय से संपर्क कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करें। एसडीओ ने संबंधित मतदाताओं से अपने बीएलओ अथवा बीएलए-2 से संपर्क कर सुनवाई एवं दस्तावेजों से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य नो मैपिंग और मतदाता सूची की विसंगतियों से जुड़े मामलों का नियमानुसार निष्पादन करना है। इसलिए नोटिस प्राप्त मतदाता निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना पक्ष और उपलब्ध दस्तावेज प्रस्तुत करें।

बाटा रोड निवासी विक्रम कुमार को नगर पुलिस ने गिरफ्तार

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के बाटा रोड निवासी विक्रम कुमार उर्फ पोते को नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि विक्रम कुमार के विरुद्ध कई मामले दर्ज हैं। न्यायालय से उसके विरुद्ध वारंट निर्गत किया गया था पुलिस ने छापेमारी कर गिरफ्तार किया और पूछताछ के बाद जेल भेज दिया।

नए पोस्टर में दिखा बाप-बेटी का अनमोल रिश्ता

सिर्फ 7 दिन बाद सिनेमाघरों में दस्तक देगी मैसा



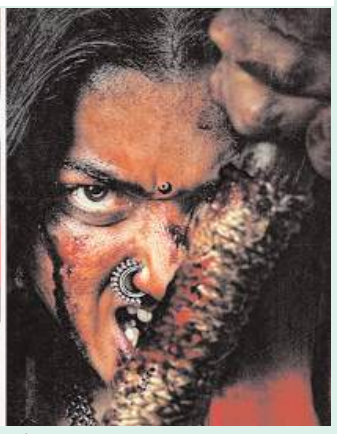

मुंबई मैसा में रश्मिका मंदाना बिल्कुल नए और पहले कभी नहीं देखे गए अंदाज में नजर आएंगी। यह भारत की पहली महिला-केंद्रित पैन-इंडिया फिल्मों में से एक है, जिसमें जबरदस्त एक्शन के साथ पिता और बेटी के रिश्ते की दिल छू लेने वाली कहानी भी देखने को मिलेगी।

यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के हाल ही में रिलीज़ हुए टीजर को देश भर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। दर्शकों से लेकर आलोचकों तक से फिल्म ने अपनी रॉ एनर्जी, ग्रैंड स्केल और इंटेंस एटमॉस्फियर के लिए खूब तारीफ अपने नाम की है। सबसे ज्यादा खास बात यह है कि इस चीज ने मैसा को एक अनोखे सिनेमैटिक कहानी में स्थापित कर दिया है। बहुत सी भारतीय फिल्म मास एक्शन ड्रामा की कहानी में मजबूत मां और बेटे के रिश्ते को दिखाती हैं, जैसे बाहुबली और चत्तस्र, लेकिन मैसा इससे अलग है क्योंकि इसमें मेकर्स नए और एक मजबूत भावनात्मक पक्ष को पेश करने वाले हैं। दरअसल, फिल्म में आदिवासी भूमि की पृष्ठभूमि पर बाप और बेटी के बीच की मजबूत जोड़ी देखने मिलने वाली है। मैसा की रिलीज में अब सिर्फ 9 दिन बचे हैं, ऐसे में इसे देखने को लेकर हर तरफ उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच चुका है। उत्साह के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए, मेकर्स ने एक नया पोस्टर रिलीज किया है जिसमें फिल्म की दुनिया की झलक देखी जा सकती है। फिल्म के गहरे इमोशंस को खुद में कैद करने वाले पोस्टर को शेयर करते हुए टीम ने लिखा है: बड़े पर्दे पर बाप और बेटी के खूबसूरत रिश्ते और उनके इमोशन्स को देखने के लिए अब सिर्फ 9 दिन बाकी हैं।

यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के हाल ही में रिलीज हुए टीजर को देश भर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है।

प्रो रेसलिंग लीग का छठा सत्र 3 से 19 जनवरी तक नई दिल्ली में

खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर को

नई दिल्ली। प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) का छठा सत्र 3 से 19 जनवरी 2027 तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। भारतीय कुश्ती महासंघ के तत्वावधान में होने वाली इस प्रतियोगिता के मुकाबले केडी जाधव कुश्ती हॉल में खेले जाएंगे। लीग ने मंगलवार को संशोधित कार्यक्रम की घोषणा के साथ बताया कि आगामी सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर 2026 को मुंबई के ग्रैंड हयात होटल में होगी। छठे सत्र में छह फ्रेंचाइजी खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। लीग में 86 शीर्ष पुरुष और महिला पहलवान हिस्सा लेंगे, जिनमें 34 अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता शामिल होंगे। इनमें ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के पदक विजेता पहलवान भी शामिल हैं। लीग के कार्यक्रम में बदलाव संयुक्त विश्व कुश्ती के कैलेंडर में संशोधन के कारण किया गया है। आयोजकों के अनुसार, इससे प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय कुश्ती कार्यक्रम के अनुरूप रहेगी और भारत सहित दुनिया के शीर्ष पहलवानों को इसमें हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा। आगामी सत्र के लिए होने वाली नीलामी में दुनिया के कई दिग्गज पहलवानों के शामिल होने की उम्मीद है। इसमें ओलंपिक पदक विजेता, विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता और भारत के प्रमुख पहलवान भी शामिल होंगे। सभी छह फ्रेंचाइजी अपनी टीमों को मजबूत बनाने के लिए उपलब्ध खिलाड़ियों पर बोली लगाएंगी। नीलामी में लीग के पिछले रिकॉर्ड की भी चर्चा रहेगी। पिछली नीलामी में जापान की दिग्गज पहलवान युई सुसाकी सबसे महंगी खिलाड़ी बनी थीं। उन्हें 60 लाख रुपये की बोली के साथ खरीदा गया था। यह प्रो रेसलिंग लीग के इतिहास में किसी खिलाड़ी के लिए लगी सबसे बड़ी बोली थी। भारतीय पहलवानों में अमन सहरावत, अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल सबसे ज्यादा मांग वाले खिलाड़ी रहे थे। इन तीनों को 50 लाख रुपये से अधिक की कीमत मिली थी। आगामी नीलामी में भी फ्रेंचाइजी की रणनीतिक खरीदारी और खिलाड़ियों पर लगने वाली बोलियों को लेकर काफी उत्साह रहने की उम्मीद है।

प्रो रेसलिंग लीग के अध्यक्ष दयान फारूकी ने कहा, ह्लप्रो रेसलिंग लीग ने हमेशा अपने कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय कुश्ती कैलेंडर के अनुरूप रखा है। संयुक्त विश्व कुश्ती के कैलेंडर में संशोधन के बाद हमने छठे सत्र को 3 से 19 जनवरी 2027 तक आयोजित करने का फैसला किया है। अब हम एक नए और रोमांचक अध्याय की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर को होगी। इस नीलामी में दुनिया के कुछ बेहतरीन पहलवान हिस्सा लेंगे, जिनमें विश्वस्तरीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और भारत के शीर्ष सितारे शामिल हैं। इससे अत्यंत प्रतिस्पर्धी सत्र की नींव तैयार होगी। हमारा लक्ष्य ऐसी लीग तैयार करना है, जिसमें प्रतियोगिता का उच्चतम स्तर हो, पहलवानों को शानदार मंच मिले और प्रशंसकों को यादगार अनुभव हासिल हो। हम रोमांचक नीलामी और दिल्ली में शानदार छठे सत्र के आयोजन के लिए उत्साहित हैं।ह्व

प्रो रेसलिंग लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अखिल गुप्ता ने कहा, प्रो रेसलिंग लीग में हमारा ध्यान हमेशा विश्वस्तरीय कुश्ती मुकाबले कराने और प्रशंसकों को यादगार अनुभव देने पर रहा है। छठे सत्र में 34 अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं सहित 86 शीर्ष पहलवान हिस्सा लेंगे। हमें विश्वास है कि प्रशंसकों को एक ही मंच पर दुनिया के बेहतरीन पहलवानों के बीच मुकाबले देखने को मिलेंगे। शीर्ष अंतरराष्ट्रीय पहलवानों की भागीदारी प्रतियोगिता में नया रोमांच जोड़ेगी और भारत में पेशेवर कुश्ती के स्तर को और ऊंचा करेगी। हम रोमांचक मुकाबलों, कड़ी प्रतिद्वंद्विता और विश्वस्तरीय खेल प्रदर्शन से भरे सत्र के लिए प्रशंसकों का फिर से स्वागत करने को उत्सुक हैं। छठे सत्र में खिताब के लिए छह फ्रेंचाइजी प्रतिस्पर्धा करेंगी। इनमें मुंबई डंगल्स के टाइगर्स, हरियाणा थंडर्स, दिल्ली दंगल वॉरियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रॉयल्स और यूपी डॉमिनेटर्स शामिल हैं। प्रतियोगिता में 86 पुरुष और महिला पहलवान हिस्सा लेंगे। इनमें 34 ओलंपियन तथा राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता शामिल होंगे। जापान की ओलंपिक चैंपियन युई सुसाकी सहित दुनिया के कई दिग्गज पहलवानों के इसमें हिस्सा लेने की उम्मीद है। भारत के प्रमुख पहलवान भी प्रतियोगिता में अपनी चुनौती पेश करेंगे। लीग में ओलंपिक की नौ भार श्रेणियों में मुकाबले होंगे। पुरुषों की स्पर्धाएं 57, 65, 74, 86 और 125 किलोग्राम भार वर्ग में होंगी। वहीं, महिलाओं के मुकाबले 53, 57, 62 और 76 किलोग्राम भार वर्ग में खेले जाएंगे।

लीग का मुकाबला प्रारूप पहले की तरह प्रसारण के अनुकूल रहेगा। प्रत्येक मुकाबले में तीन-तीन मिनट के दो राउंड होंगे। इसमें ह्यपावर मिनटह्ल का नियम भी जारी रहेगा।

हैमस्ट्रिंग चोट के कारण भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए ब्लेयर टिकनर



क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। उन्हें इस सप्ताह वेलिंगटन में अभ्यास सत्र के दौरान दाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, चोट की गंभीरता का पता लगाने और मैदान पर वापसी की संभावित समय-सीमा तय करने के लिए टिकनर की सोमवार को क्राइस्टचर्च में आगे जांच की जाएगी। टिकनर की जगह मैट फिशर को टीम में शामिल किया गया है। फिशर भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की टी20 और एकदिवसीय श्रृंखला में भी खेल चुके हैं। वह दूसरे टेस्ट से पहले क्राइस्टचर्च में टीम से जुड़ेंगे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट शुक्रवार से हेगले ओवल में शुरू होगा। दोनों टीमों के बीच वेलिंगटन में खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था।

शंघाई में खुला क्रिस्टियानो रोनाल्डो का अनूठा संग्रहालय

शंघाई। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को समर्पित संग्रहालय 21 नवंबर को शंघाई में खोला गया। चीनी मुख्यभूमि में अपनी तरह का यह पहला संग्रहालय है, जो रोनाल्डो के करियर और उपलब्धियों को दर्शाता है। सीआर7 संग्रहालय शंघाई नंबर-1 शॉपिंग सेंटर में करीब तीन हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में बनाया गया है। संग्रहालय के बाहर रोनाल्डो की मशहूर ह्यसिउह्ल गोल सेलिब्रेशन मुद्रा में सात मीटर ऊंची प्रतिमा लगाई गई है। इसे पुर्तगाली फुटबॉलर की दुनिया की सबसे ऊंची पूर्ण आकार की प्रतिमा बताया जा रहा है। संग्रहालय के अंदर लगी प्रदर्शनी में रोनाल्डो के बचपन से लेकर अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सुपरस्टार बनने तक के सफर को दर्शाया गया है। इसके एक हिस्से में लिस्बन में स्पोर्टिंग सीपी के लिए खेलते समय युवा खिलाड़ी के रूप में रोनाल्डो के छात्रावास के कमरे को फिर से तैयार किया गया है। वहां गुलाबी चादर वाले बिस्तर और दीवार पर लिखा संदेश उनके उस सपने की याद दिलाता है, जिसमें उन्होंने कहा था, ह्लएक दिन मैं दुनिया का सर्वश्रेष्ठ सात नंबर का खिलाड़ी बनूंगा।



नवाजुद्दीन पर दीया मिर्जा का फूटा गुस्सा

यूजर्स ने कहा- नए प्रोजेक्ट का प्रमोशन है



अभिनेत्री दीया मिर्जा ने बुधवार को अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने के अनुभव को 'एक बुरे सपने जैसा' बताया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है और कई यूजर्स इसे पीआर स्ट्रैटजी बता रहे हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के व्यवहार को लेकर उनकी आलोचना की। अभिनेत्री अपनी पोस्ट में नवाजुद्दीन सिद्दीकी को टैग करते हुए लिखती हैं, 'नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करना मेरे लिए बुरे सपने जैसा है, उन्हें बात करने की तमीज नहीं है, उनका एटीट्यूड अलग ही लेवल का है और वे बेहद आपत्तिजनक इंसान हैं। दीया मिर्जा ने अपनी इस पोस्ट के पीछे की कोई वजह या संदर्भ अभी तक साझा नहीं किया है। हालांकि, अभी तक न तो दीया मिर्जा ने इस पर कोई सफाई दी है और न ही नवाजुद्दीन सिद्दीकी की ओर से कोई जवाब आया है। अभिनेत्री की पोस्ट में कोई स्पष्ट विवरण न होने के कारण सोशल मीडिया यूज़र्स इसे किसी आने वाले प्रोजेक्ट या विज्ञापन के प्रमोशन व पब्लिसिटी स्टंट के तौर पर देख रहे हैं, जबकि कुछ लोग किसी संभावित विवाद को लेकर हैरान हैं। एक यूजर ने लिखा, 'ये भी पीआर ही होगा, आजकल सब वही है।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'नवाजुद्दीन के 10 मिलियन फॉलोअर्स हैं और दीया मिर्जा के फॉलोअर्स उसके आधे हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आजकल लोग काफी समझदार हो गए हैं और प्रमोशन वाली चीजों को आसानी से पहचान लेते हैं। पीआर टीमों को अब लोगों से सच में जुड़ने के लिए नए और अलग तरीके सोचने होंगे। नहीं तो एक ऐसा वक्त आ जाएगा जब लोग कलाकारों के सच्चे पोस्ट और जरूरी बातों को भी नजरअंदाज करने लगेंगे, क्योंकि उन्हें लगेगा कि ये भी बस एक और प्रमोशन है। एक और यूजर ने दीया मिर्जा की एक्टिंग का मजाक उड़ाते हुए लिखा, 'लेकिन उनकी एक्टिंग आपकी एक्टिंग से अच्छी है।'

आईएफएफआई फिल्म निमार्ताओं की पहली पसंद बन रहा बिहार : पंकज झा



इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया आईएफएफआई के चौथे दिन पॉलिसी टू पिक्चर : बिहार सिनेमैटिक राइज विषय पर बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम द्वारा आयोजित पैनल चर्चा में प्रोड्यूसर सागर श्रीवास्तव एवं तनाया अदकर प्रभु ने बिहार में फिल्म शूटिंग से जुड़े अनुभवों को साझा किया। वहीं, अभिनेता पंकज झा ने लीक से हटकर कहानी चुनने पर बल दिया। मौके पर मौजूद इंडियन मोशन पिक्चर एसोसिएशन (इंपा) के अध्यक्ष अभय सिन्हा ने फिल्म निमार्ताओं से बिहार में फिल्म की शूटिंग करने की अपील की। फिल्म निगम के परामर्शी (फिल्म) प्रो. अरविंद रंजन दास ने फिल्म नीति और शूटिंग की अनुमति तथा अनुदान के लिए आवेदन की प्रक्रिया की जानकारी दी।

बिग बी ने बताया

'बच गए' ट्वीट का मतलब



दिग्गज अभिनेता ने तीन दिन पहले एक ट्वीट किया था। अब बिग बी ने उस ट्वीट का मतलब बताया है और इसे 'केबीसी 18' से जोड़ा है। दिग्गज कलाकार अमिताभ बच्चन इन दिनों 'केबीसी 18' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपनी रहस्यमयी पोस्ट 'बच गए' का खुलासा किया है। अभिनेता की इस पोस्ट से सोशल मीडिया पर उनकी सुरक्षा को लेकर कई अटकलें लगनी शुरू हो गई थीं। अब अभिनेता ने एक्स पर अपनी पिछली पोस्ट को लेकर बनी उत्सुकता को खत्म किया है।

क्या था अमिताभ की पिछली पोस्ट का मतलब?

अमिताभ बच्चन ने आज एक्स पर पिछले ट्वीट के बारे में बताया। अभिनेता ने बताया कि KBC की शूटिंग के दौरान उनके साथ एक घटना हो गई थी। शूटिंग के दौरान उनकी पैंट की बेल्ट टूट गई, जिसके बाद उन्हें पैंट को अपनी जगह पर टिकाए रखने के लिए जल्दी से एक नाड़ा बांधना पड़ा। इस घटना के बारे में बताते हुए उन्होंने लिखा, 'केबीसी के शूट पे पैंट की बेल्ट टूट गई, जल्दी से नाड़ा बांध लिया- 'बच गए'।'

4 किलो के घुंघरू पहनकर श्रद्धा कपूर ने सीखी लावणी



श्रद्धा कपूर अपनी फिल्मों में किरदारों को जीवंत बनाने के लिए कितनी मेहनत करती हैं, इसकी झलक उनकी अगली फिल्म 'इठा' में देखने को मिलने वाली है। फिल्म के गाने 'जी जी रे जी' में श्रद्धा का लावणी डांस इन दिनों चर्चा में है। उनके डांस मूव्स से लेकर चेहरे के एक्सप्रेशंस तक की तारीफ हो रही है। लेकिन इस परफॉर्मेंस को खास बनाने के लिए श्रद्धा ने महीनों तक मेहनत की और लावणी को सिर्फ एक डांस फॉर्म नहीं, बल्कि एक कला के तौर पर समझने की कोशिश की। गाने के ग्रैंड लॉन्च पर श्रद्धा ने बताया कि फिल्म साइन करते समय उन्हें लावणी की ज्यादा जानकारी नहीं थी। इसके बाद उन्होंने कई वर्कशॉप्स में हिस्सा लिया और लावणी व तमाशा कलाकारों से मुलाकात की। इस दौरान दिग्गज कलाकार शंकुतला जी ने उन्हें इस नृत्य शैली की उन बारीकियों से परिचित कराया, जो केवल डांस स्टेप्स सीखने से नहीं आतीं।

वसुधा में आयुष्मान और शरवरी की खास एंट्री



कुछ कहानियाँ अपने जज़्बात, दिल को छू लेने वाले किरदारों और अनपेक्षित मोड़ों से ऐसी जुड़ जाती हैं कि लंबे समय तक याद रहती हैं। ज़ी टीवी का शो 'वसुधा' भी अपनी दिलचस्प कहानी और रिश्तों की खूबसूरत दास्तान से लगातार दर्शकों का दिल जीत रहा है। कहानी में आने वाला हर नया मोड़ इसमें एक नया रंग भर रहा है। यही वजह है कि शो के चहेते किरदारों का सफर दर्शकों के लिए और भी खास बनता जा रहा है। भारतीय टेलीविजन के टॉप शोज़ में अपनी जगह बना चुका यह शो हर नए घटनाक्रम के साथ दर्शकों की दिलचस्पी बनाए हुए है। कई मुश्किलों और इम्तिहानों से गुजरने के बाद आखिरकार वसुधा और देवांश ने साथ मिलकर अपनी जिंदगी का नया सफर शुरू कर दिया है। चंद्रिका ने भी वसुधा को अपनी बहू के रूप में स्वीकार कर दोनों के रिश्ते को अपनी दुआओं और आशीर्वाद से नवाजा है। शादी की खुशियों से लेकर शादी के बाद की रस्मों तक, यह जोड़ा अपने साथ के इस नए एहसास को जी रहा है। लेकिन, जब दोनों अपनी नई दुनिया में रमने लगे, तभी उनके लिए एक दिलचस्प सरप्राइज इंतजार कर रहा था। शो में बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना और अभिनेत्री शरवरी वाघ की खास एंट्री होने जा रही है। उनकी मौजूदगी कहानी में एक ऐसा नया मोड़ लेकर आएगी, जो वसुधा और देवांश के आगे के सफर को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा देगा। आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ ने शो के सेट पर पूरी स्टार कास्ट के साथ खूब मस्ती की। वहीं, शो में वसुधा और देवांश का किरदार निभाने वाले प्रिया ठाकुर और अभिषेक शर्मा भी उनके साथ शूटिंग के अनुभव को लेकर बेहद उत्साहित नजर आए।



कुछ लोगों ने हाथ में पैसे रखकर वीडियो रिकॉर्ड किए

...और फिर पैसे वापस ले लिए : शरद कपूर

अभिनेता शरद कपूर इन दिनों अपनी निजी जिंदगी और खराब आर्थिक स्थिति को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उनके पालतू कुत्तों को पशु कल्याण संस्था की मदद के लिए सौंपे जाने से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। वीडियो के सामने आने के बाद फिल्म इंडस्ट्री के अलावा कई लोग उनकी मदद के लिए आगे आए। इनमें सोनू सूद, सलमान खान और रोहित शेट्टी जैसे कलाकार शामिल है। इन मदद के लिए शरद ने आभार जताया है। वहीं कुछ ऐसे लोगों से अपील भी की है, जो मदद के नाम पर उनके साथ वीडियो बनाने पहुंच रहे है। उनका कहना है कि कुछ लोग मदद करने के बहाने उनके हाथ में पैसे देते हैं, वीडियो बनाते हैं और फिर पैसे वापस ले लेते हैं। इससे उनकी परेशानी कम होने के बजाय उनका मजाक बन रहा है। बात करते हुए शरद कपूर ने कहा, ''मेरी हालत जानने के बाद फिल्म इंडस्ट्री से कई लोगों का फोन मेरे पास आया। इसमें रोहित शेट्टी, सोनू सूद और सलमान खान जैसे नाम शामिल है। संभव है कि मैं जनवरी से काम शुरू कर दूं। मुझे इंडस्ट्री ने हमेशा सपोर्ट किया है। ये सपोर्ट देखकर काफी अच्छा लगता है। बात करूं तो सोनू सूद जैसा इंसान होना मुश्किल है। उन्हें एक फोन करो तो वह हमेशा मदद के लिए खड़े रहते है। वहीं सलमान खान ने मुझसे फोन पर बात की और कहा कि कोई जरूरत हो तो उनसे जरूर कहे। फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बनाने का मेरा कोई इरादा नहीं था, बस ये किस्मत का खेल था, लेकिन अब जनवरी से मैं फिल्म इंडस्ट्री में वापसी कर रहा हूं। वहीं मंगलवार को बेजुबान ट्रस्ट नाम के एनजीओ ने अपने इंस्टाग्राम पर शरद कपूर का एक वीडियो शेयर किया। इसमें अभिनेता फिल्म इंडस्ट्री के लोगों, अपने फैंस और उनकी परवाह करने वाले लोगों से खास अपील करते नजर आए। उन्होंने सभी का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि लोगों ने उन्हें बहुत प्यार दिया है, लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी मदद के नाम पर कई गलत चीजें दिखाई जा रही हैं। वीडियो में शरद ने कहा, ''मैं फिल्म इंडस्ट्री, अपने फैंस और उन सभी लोगों से कुछ कहना चाहता हूं, जो सच में मेरी परवाह करते हैं। मैं आपका बहुत शुक्रगुजार हूं। आप लोगों ने मुझे इतना प्यार दिया है, जिसकी मैं कल्पना भी नहीं कर सकता लेकिन सोशल मीडिया पर बहुत सारी गलत चीजें दिखाई जा रही हैं। मेरे हाथ में पैसे दिए जा रहे हैं। यह साफ नहीं है कि कौन क्या कर रहा है। मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा है। अभिनेता ने कहा, ''कुछ लोग मुझसे मिलने आते हैं और मेरी मर्जी के बिना हाथ में पैसे रखकर वीडियो रिकॉर्ड करने लगते हैं। इसके बाद वे पैसे वापस भी ले लेते हैं। इन घटनाओं से परेशान होकर मैं अब लोगों से मिलना-जुलना भी बंद कर दूंगा। मेरी अपील है कि लोग मेरी हालत को समझें और मदद के नाम पर ऐसा न करें। वहीं, अभिनेता के साथ लगातार वीडियो शेयर कर रहीं हेमा चौधरी ने भी मदद के नाम पर शरद के वीडियो बनाने वाले लोगों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वह कभी नहीं चाहती थीं कि शरद की खराब हालत को इस तरह सबके सामने दिखाया जाए, क्योंकि वह पहले से ही ठीक नहीं हैं। जब उन्होंने शरद की मदद के लिए अपील की थी तो लोगों ने उन्हें ही सोशल मीडिया पर ट्रोल करना शुरू कर दिया था।

हेमा ने अपने वीडियो में कहा, ''मैं चाहती थी कि शरद की हालत को इस तरह लोगों के सामने न दिखाया जाए, क्योंकि वह बीमार हैं। लोग उनके बारे में जो बातें कर रहे हैं, उन्हें खुद भी नहीं पता कि असलियत क्या है। उस दिन मैंने मदद के लिए अपील की थी और लोगों ने मुझे ही ट्रोल करना शुरू कर दिया। मैंने जानवरों की मदद के लिए वीडियो पोस्ट किया था, क्योंकि उनकी हालत बहुत खराब थी।

कार्तिक पूर्णिमा: वाराणसी में गंगा किनारे आस्था का सैलाब उमड़ा, श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य की डुबकी

● गंगा स्नान के बाद गंगा में दीपदान कर किया दानपुण्य ● मंदिरों में दर्शन पूजन के लिए उमड़े श्रद्धालु

एजेंसी



वाराणसी । उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार को श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। लाखों श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव और हर-हर गंगे के जयघोष के बीच पुण्य सलिला मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने गंगा घाटों पर दीपदान और अर्घ्यदान कर दान-पुण्य किया। वहीं, मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना सोमवार देर रात से ही शुरू हो गया था। मंगलवार भोर करीब चार बजे से ही विभिन्न घाटों पर स्नान का सिलसिला शुरू हो गया। दिन चढ़ने के साथ ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ती गई। प्राचीन दशाश्वमेध और पंचगंगा घाट पर सबसे अधिक रौनक रही। स्नान के बाद महिलाओं सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने समूह में दीपदान और अर्घ्यदान किया।

गंगा के इस पार के प्रमुख घाटों के साथ ही गंगा पार रेती, रामनगर बलुआघाट, सामनेघाट, रविदास घाट, अस्सी, भदैनी, शीतला घाट, अहिल्याबाई घाट, केदारघाट और भैंसासुर घाट पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। पुलिस अधिकारी और जवान रात दो बजे से ही घाटों पर तैनात हो गए थे। दशाश्वमेध थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह भी जल पुलिस के जवानों के साथ सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहे। भीड़ को नियंत्रित करने और यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए गंगा घाटों की ओर जाने वाले मार्गों पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित किया गया था। पुलिसकर्मी लगातार भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाने में जुटे रहे। बताते चले सनातन धर्म में कार्तिक पूर्णिमा के स्नान का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इसे त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन गंगा, यमुना और गोदावरी जैसी पवित्र नदियों में स्नान, दीपदान और दान-पुण्य करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा नदी में अथवा तुलसी के समीप दीप प्रज्ज्वलित करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। इसी के साथ कार्तिक मास भर चलने वाले गंगा स्नान, पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों का भी समापन होता है।

नेपाल में तिब्बत की सीमा से सटे क्षेत्र में 5.6 तीव्रता का भूकंप सिक्किम में भी महसूस हुए झटके

काठमांडू, । नेपाल के पूर्वी सीमा क्षेत्र में आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसका असर सिक्किम में भी महसूस किया गया।रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.6 दर्ज की गई। राष्ट्रीय भूकंप मापन एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप सुबह 7 बजकर 17 मिनट पर आया। इसका केंद्र नेपाल के ताप्लेजुंग जिले के ओलांगचुंग गोला के निकट रही। यह इलाका तिब्बत की सीमा से सटा हुआ है।

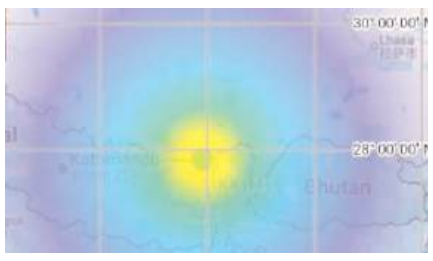

केंद्र के भूकंप विज्ञानी राजेश शर्मा ने बताया कि भूकंप के झटके कोशी प्रदेश के कुछ जिलों में भी महसूस किए गए। हालांकि, भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने भूकंप के केंद्र को भारत के सिक्किम राज्य के मंगन क्षेत्र से लगभग 67 किलोमीटर दूर बताया है और कहा कि इसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था।

भूपेन दा की की रचनाओं को सुनने पर हर बार कुछ नया मिलता है : मुख्यमंत्री हिमंत

एजेंसी



गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा बीते कुछ दिनों से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रहते हुए वर्ष भर चले भारत रत्न, सुधाकंठ की उपाधि से सम्मानित डॉ. भूपेन हजारिका की वर्ष भर चले शताब्दी जयंती समारोह के समापन कार्यक्रम के आयोजन को लेकर तैयारियों में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा करते हुए कहा है, पिछले साल के लगभग आरंभ से ही हमारी योजना तैयार हो गई थी और तब से, खासकर पिछले कुछ हफ़्तों में, हम सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी समारोह के समापन समारोह की तैयारियों में काफी व्यस्त हैं। इस दौरान जब भी थोड़ा समय मिलता है, हम सुधाकंठ के गीतों को फिर से सुनने का प्रयास कर रहे हैं। हर बार हमें उनकी रचना में कुछ नया मिलता है।

मुख्यमंत्री ने कहा है, रमैं संगीत का विशेषज्ञ नहीं हूं, लेकिन एक संगीत प्रेमी के रूप में भूपेन दा की रचनाओं की व्यापकता और गहराई मुझे बार-बार हैरान कर देती है। खासकर एक बात मुझे बार-बार सोचने पर मजबूर करती है, एक कलाकार एक ही समय में अलग-अलग भाषाओं, अलग-अलग संगीत शैलियों और अलग-अलग सांस्कृतिक परिवेश में इतना अद्वितीय काम कैसे कर सकता है! असमिया संगीत से लेकर बंगाली, हिंदी और कई अन्य भाषाओं के संगीत तक उनका भ्रमण अद्भुत था। हर भाषा में उन्होंने सिर्फ गाना ही नहीं गाया, बल्कि कालजयी संगीत रचा। गीत के विषय का चयन, सुर की विविधता और शब्दों के जरिए व्यक्त की गई भावनाएं हर भाषा के श्रोताओं के दिल को छूने में सक्षम थीं। भाषा बदल गई, सुर की धारा बदल गई, लेकिन उनके गीतों की अंतर्निहित मानवीय भावनाएं और जीवन के प्रति नजरिया वही था।

भूपेन दा का एक और अनोखा परिचय था उनके समकालीन कई महान कलाकारों के साथ बने रिश्ते और रचनात्मक सहयोग। किशोर कुमार, लता मंगेशकर, मोहम्मद रफी, हेमंत मुखर्जी समेत भारतीय संगीत जगत की कई दिग्गज शख्सियतों के साथ उनके संबंध और सहयोग ने संगीत के एक अद्भुत मिलन को जन्म दिया। ये संगीत सहयोग सिर्फ कलाकारों के बीच आदान-प्रदान नहीं थे, इसके माध्यम से उन्होंने असम के संगीत, असम की मिट्टी और लोगों की भावनाओं को देश के बड़े सांस्कृतिक परिदृश्य तक पहुंचाने की कोशिश की। असम से शुरू हुई भूपेन दा की रचनात्मक यात्रा ने देश की सीमाओं को पार करके दुनिया के विभिन्न हिस्सों के श्रोताओं के दिलों को छू लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुनानक जयंती पर दी प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं, असम के वीर लचित बोरफुकन का किया स्मरण

एजेंसी



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर आज गुरुनानक जयंती पर देशवासियों को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं। साथ ही लचित दिवस पर असम के महान वीर लचित बोरफुकन का स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, " श्री गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं। उनकी शाश्वत शिक्षाएं आज भी मानवता का मार्गदर्शन कर रही हैं। उनका संदेश हमें एक ऐसे समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करे, जो दया, एकजुटता और सभी के कल्याण की नींव पर टिका हो।" उल्लेखनीय है कि सिख धर्म के संस्थापक गुरुनानक देव जी का आज 557वां प्रकाश पर्व है। उनकी जयंती को देश में प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने दूसरी पोस्ट में लिखा, " लचित दिवस पर हम महान लचित बोरफुकन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिनके साहस और दृढ़ संकल्प ने असम की रक्षा करने में मदद की। उनका अद्भुत नेतृत्व और लोगों के प्रति उनका समर्पण आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है, और साथ ही हमें असम की ताकत और जज्बे की याद दिलाता है।" प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "लचित दिवस के इस पावन अवसर पर हम महान नायक लचित बोरफुकन को नमन करते हैं, जिनके साहस और दृढ़ संकल्प ने असम की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका असाधारण नेतृत्व और लोगों के प्रति निस्वार्थ समर्पण पीढ़ी-दर-पीढ़ी लोगों को प्रेरित करता आ रहा है। साथ ही, उनके जीवन के आदर्श हमें असम की ताकत, साहस और आत्म-सम्मान की याद दिलाते हैं।"

बिहार के लखीसराय में सड़क हादसा पांच की मौत, चार की हालत नाजुक

एजेंसी

पटना । बिहार में लखीसराय जिले के लखीसराय-जमुई मुख्य मार्ग के गुणसागर गांव के पास ट्रक और स्कॉर्पियो की आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की जान चली गई, जबकि एक बच्चे समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को किसी तरह क्षतिग्रस्त गाड़ी से बाहर निकाला गया। यह हादसा तेतरहाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुआ। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, पूर्वी चंपारण के मोतिहारी जिले के निवासी स्कॉर्पियो सवार सभी लोग झारखंड की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान गुणसागर गांव के समीप सामने से आ रहे ट्रक से उनकी गाड़ी की सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर में स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला।

दुर्घटना की खबर मिलते ही आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद तेतरहाट थाने की पुलिस पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। गाड़ी के अंदर फंसे घायलों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद सभी चार घायलों को एंबुलेंस की मदद से लखीसराय सदर अस्पताल पहुंचाया गया।

अस्पताल में घायलों का उपचार चल रहा है। बताया जा रहा है कि चारों की हालत गंभीर बनी हुई है। इनमें एक बच्चा भी शामिल है। हादसे में जान गंवाने वाले पांचों लोगों के शव भी सदर अस्पताल लाए गए हैं। इस हादसे से पीड़ित परिवारों में मातम पसरा हुआ है। तेतरहाट थानाध्यक्ष इलू उपाध्याय ने बताया कि स्कार्पियो सवार सभी लोग मोतिहारी से देवघर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे मालवाहक ट्रक से उनकी गाड़ी की टक्कर हो गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है, जबकि चार लोग जख्मी हैं। मृतकों और घायलों के नाम एवं पते की जानकारी अभी नहीं मिल पाई है।

कार्तिक पूर्णिमा पर मध्य रात्रि में बाबा हरिहरनाथ का हुआ शाही स्नान

एजेंसी





सारण। विश्व प्रसिद्ध हरिहरक्षेत्र सोनपुर में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बीती मध्य रात्रि ठीक 12 बजकर 15 मिनट पर बाबा हरिहरनाथ का उप विग्रह पारंपरिक गाजे-बाजे और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नारायणी गंडक नदी में दिव्य शाही स्नान के लिए मंदिर परिसर से बाहर निकला। जैसे ही सवा बारह बजे मंदिर के कपाट से बाबा का उप विग्रह बाहर आया, पूरा परिसर हर-हर महादेव और जय बाबा हरिहरनाथ के जयघोष से गूंज उठा। शोभायात्रा के आगे-आगे ढोल-नगाड़े, शंख और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनि वातावरण को भक्तिमय बना रही थी। मंदिर के मुख्य पुजारियों और आचार्यों की टोली द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच, विधि-विधान से बाबा को सिर पर धारण कर नारायणी नदी के काली घाट की ओर ले जाया गया। इस दिव्य स्नान के दर्शन हेतु हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। इस क्षण के साक्षी बनने के लिए रात साढ़े ग्यारह बजे से ही जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव और वरीय पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार मंदिर परिसर से लेकर काली घाट तक भगवान के उप विग्रह की यात्रा और दिव्य स्नान में शामिल हुए। स्नान एवं विशेष पूजा-अर्चना में मुख्य यजमान बाबू झूनझून सिंह सपरिवार सम्मिलित हुए।

संपूर्ण अनुष्ठान और शोभायात्रा के दौरान बाबा हरिहरनाथ मंदिर न्यास समिति के सचिव विजय कुमार सिंह लल्ला मध्य रात्रि से ही स्वयं उपस्थित रहे और उनकी देखरेख में सभी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संपन्न कराया गया। परंपरा के अनुसार बाबा हरिहरनाथ के उप विग्रह के दिव्य स्नान, विशेष श्रृंगार और आरती के बाद श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ बाबा हरिहरनाथ मंदिर के पट खोल दिए गए। जहां मध्य रात्रि में ही श्रद्धालु स्नान कर बाबा हरिहरनाथ पर जलाभिषेक करने के लिए कतार में लग गए थे और शाही पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा के साथ बाबा का जलाभिषेक शुरू कर दिया।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन भगवान हरि विष्णु और भगवान हर शिव के इस पावन मिलन क्षेत्र में स्नान करने से समस्त पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। हरिहर क्षेत्र के प्रसिद्ध कथा के अनुसार भगवान विष्णु के भक्त गजराज (हाथी) और ग्राह (मगरमच्छ) की पौराणिक कथा है। पुराणों के अनुसार पूर्व जन्म में ग्राह एक गंधर्व था, जिसे ऋषि के शाप से मगरमच्छ की योनि (जन्म) प्राप्त हुई थी, जबकि गजराज एक धर्मात्मा राजा थे, जिन्हें शापवश हाथी का रूप मिला था। एक दिन जब गजराज संगम के नारायणी नदी में जलक्रीड़ा और स्नान के लिए उतरे, तभी ग्राह ने उनके पैर को अपने जबड़े में जकड़ लिया। वर्षों तक चले इस भीषण संघर्ष में जब गजराज की समस्त शारीरिक शक्ति क्षीण होने लगी और प्राण संकट में आ गए, तब उन्होंने पूर्ण समर्पण और निर्मल भाव से भगवान विष्णु का स्मरण किया। मान्यता है कि अपने भक्त की पुकार सुनकर भगवान विष्णु स्वयं सुदर्शन चक्र के साथ प्रकट हुए और उन्होंने ग्राह का उद्धार कर गजराज को बंधनमुक्त किया।

जिस स्थान पर यह दिव्य लीला घटित हुई, वही क्षेत्र आगे चलकर हरिहर क्षेत्र सोनपुर के रूप में विख्यात हुआ। यहाँ हरि भगवान विष्णु और हरभगवान शिव के एकाकार स्वरूप का वास माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव और विष्णु के इस समन्वय ने इस भूमि को अद्वितीय आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की है, जिससे यहाँ किया गया स्नान और पूजन सहस्र अश्वमेघ यज्ञों के समान फलदायी माना जाता है।

न्यूज IN ब्रीफ

गोदना-सेमरिया नहान मेला का पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने किया उद्घाटन



सारण। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर सरयू नदी के तट पर आयोजित होने वाले गोदना-सेमरिया नहान मेले का बीती रात विधिवत उद्घाटन बिहार सरकार के पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, विधायक छोटी कुमारी, मुख्य पार्षद अमिता यादव तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि जिस पावन धरती पर भगवान श्रीराम के चरण पड़े और माता अहिल्या का उद्धार हुआ, वहां आकर वे स्वयं को धन्य और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने भगवान श्रीराम से प्रार्थना की कि जिस प्रकार माता अहिल्या का उद्धार हुआ, उसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मजबूत व समृद्ध बिहार का संकल्प भी पूरा हो। मंत्री ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र स्नान व दान-पुण्य का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है, जिससे जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है। उन्होंने कहा कि गोदना-सेमरिया मेला हमारी आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। मेले में उमड़ी भीड़ पर प्रसन्नता जताते हुए उन्होंने कहा कि न केवल इस जिले बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। पर्यटन मंत्री ने घोषणा की कि अगले वर्ष से पर्यटन विभाग द्वारा इस भव्य आयोजन के लिए 2 लाख रुपये की राशि उपलब्ध कराई जाएगी, जिसके लिए जिलाधिकारी से रिपोर्ट मंगवाकर पत्र भेजा जाएगा। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सरयू नदी के पवित्र तट पर हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, जहां लोग पुण्य स्नान, ध्यान, दान और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेंगे।आयोजन को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है तथा सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल तैनात किया गया है। उद्घाटन समारोह में गोदना-सेमरिया मेला समिति के अध्यक्ष एसडीओ नीतेश कुमार, एसडीपीओ, कार्यपालक पदाधिकारी किशोर कुणाल, थानाध्यक्ष, वार्ड पार्षद एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

19वीं मंजिल से कूदकर 11वीं की छात्रा ने की आत्महत्या

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोयडा थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के सेक्टर 100 स्थित लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी में रहने वाली एक 11वीं कक्षा की छात्रा ने आज तड़के अपनी सोसाइटी के 19वीं मंजिल स्थित फ्लैट से कूदकर आत्महत्या कर लिया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना सेक्टर -39 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि सेक्टर 100 स्थित लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी में रहने वाले अभिनव दुबे की 16 वर्षीय बेटी डिशिता दुबे ने 19वीं मंजिल स्थित अपने फ्लैट की बालकनी से मंगलवार सुबह 3 बजे के करीब छलांग लगा दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर वहां पहुंची पुलिस ने जांच की तो पता चला की मृतका के परिजनों ने किसी बात को लेकर उसे डांट दिया था। इस बात से वह परेशान थी। वह एक नामी स्कूल से 11वीं कक्षा की पढ़ाई कर रही थी। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका के पिता एडीडास कंपनी में वरिष्ठ अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। वह मूल रूप से लखनऊ के रहने वाले हैं। मृतका के मोबाइल फोन और परिवार के लोग से पूछताछ के आधार पर आत्महत्या के कारण कारण का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। वही इस घटना से सोसाइटी में हड़कंप मचा हुआ है। जब यह घटना हुई तब ज्यादातर लोग अपने घरों में सो रहे थे। छात्रा के नीचे गिरने की सूचना उसके परिजनों को भी नहीं थी। सिक्योरिटी गार्ड्स ने उन्हें जब बताया तो वह बदहवास से नीचे आए। उनके आसपास के फ्लैट मे रहने वाले लोग भी उठकर नीचे आ गए। इस घटना को लेकर लोग तरह-तरह की बातें कर रहे हैं।

शेख हसीना के गृह जिला गोपालगंज में अवामी लीग के जुलूस पर विवाद, बम चले, दुकानें फूंकी, 30 घायल



ढाका (बांग्लादेश)। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का पैतृक गृह जनपद और देश के राजनीतिक गढ़ के रूप में मशहूर गोपालगंज में सोमवार शाम और रात को जमकर देसी बम फूटे। कम से कम 12 दुकानों को आग के हवाले कर दिया गया। इस दौरान लगभग 30 लोग घायल हो गए। यह घटनाएं हसीना की पार्टी अवामी लीग और उससे संबद्ध संगठनों के दिन में निकाले गए जुलूस को लेकर हुए विवाद के बाद हुईं। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिबंधित अवामी लीग के गोपालगंज शहर व अन्य स्थानों पर निकाले गए जुलूस पर हुए विवाद के बाद हिंसा भड़क गई। यह खूनखराबा गोपालगंज शहर के लॉन्च घाट और गोपालगंज क्रिकेट स्टेडियम के आसपास के इलाकों और कोतालीपाड़ा उपजिला के दक्षिण हिरन गांव में हुआ। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सोमवार दोपहर अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के कार्यकर्ताओं ने गोपालगंज शहर के लॉन्च घाट इलाके से एक जुलूस निकाला। जुलूस के बाद एक रैली में पार्टी नेताओं के बगल में खड़े होने को लेकर घोषरचर गांव के एक युवक और चारमानिकदाह गांव के कुछ युवकों के बीच बहस हो गई। इस घटना के कारण शाम को दोनों गांवों के निवासियों के बीच झड़पें शुरू हो गईं। गोपालगंज क्रिकेट स्टेडियम के पास की सड़क पर दोनों गुटों के बीच देसी हथियारों के साथ आमना-सामना हुआ और एक-दूसरे का पीछा किया गया। झड़प के दौरान चार देसी बम फटे और फूलों की कम से कम सात दुकानों में तोड़फोड़ की गई। इस घटना में कम से कम 20 लोग घायल हुए हैं। शुरूआती जानकारी के अनुसार, इनमें से पांच गंभीर रूप से घायल लोगों को गोपालगंज मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाकी लोगों को प्राथमिक उपचार दिया गया। गोपालगंज मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सहायक निदेशक डॉ. नियाज महमूद ने बताया कि शाम को एक झड़प में घायल हुए कई लोग अस्पताल आए। कुछ लोग प्राथमिक उपचार के बाद चले गए, जबकि कई अन्य अस्पताल में भर्ती रहे।

चक्रधरपुर में गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर निकली भव्य शोभायात्रा



संवाददाता

चक्रधरपुर : सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाश पर्व के अवसर पर चक्रधरपुर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने भजन-कीर्तन करते हुए पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ शोभायात्रा में भाग लिया।

गुरुद्वारे से निकली शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए पवन चौक पहुंची। शोभायात्रा में शामिल लोगों ने कई रोमांचक और अद्भुत करतब प्रस्तुत किए, जिसे देखकर सड़क किनारे मौजूद लोग आश्चर्यचकित रह गए। उनके साहस, कला और कौशल का लोगों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

शोभायात्रा का मुख्य मार्ग, पुरानी रांची रोड, बाटा रोड सहित शहर के विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का अभिनंदन किया। पूरे शहर में धार्मिक उत्साह, भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा। गुरु नानक देव जी के संदेश प्रेम, सेवा, समानता और भाईचारे से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

राजकीय रामरेखा मेला को लेकर सिमडेगा पुलिस अलर्ट

170 पुलिस पदाधिकारियों समेत 500 पुलिस बल, होमगार्ड व चौकीदार तैनात; 9 मोटरसाइकिल गश्ती दल और 12 पार्किंग स्थल की व्यवस्था

संवाददाता

सिमडेगा : आगामी राजकीय रामरेखा मेला में झारखंड के अलावा छत्तीसगढ़, ओडिशा एवं अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सिमडेगा पुलिस ने सुरक्षा, यातायात एवं विधि-व्यवस्था को लेकर व्यापक तैयारियां की हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में मेला परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण तथा शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए लगभग 170 पुलिस पदाधिकारियों सहित 500 पुलिस बल, होमगार्ड एवं चौकीदारों की प्रतिनियुक्ति की गई है। मेला क्षेत्र में नियमित गश्ती के अलावा 9 मोटरसाइकिल



गश्ती दल एवं पैदल गश्ती दल भी तैनात किए गए हैं। ये दल लगातार भ्रमणशील रहकर भीड़ एवं गतिविधियों पर नजर रखेंगे तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अप्रिय स्थिति की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई करेंगे।

अग्निशमन व्यवस्था भी रहेगी दुरुस्त

मेला के दौरान अग्नि सुरक्षा को लेकर भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। संभावित अग्निकांड अथवा किसी आपात स्थिति से निपटने के लिए अग्निशमन दल, वाहन एवं आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था की गई है।

12 स्थानों पर होगी पार्किंग व्यवस्था

श्रद्धालुओं एवं आम लोगों की सुविधा तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए 12 पार्किंग स्थलों को चिन्हित किया गया है। इनमें वीआईपी, वीवीआईपी, बड़े एवं छोटे वाहनों तथा मोटरसाइकिलों के लिए अलग-अलग पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसका उद्देश्य मेला क्षेत्र में वाहनों का दबाव कम करना और जाम की स्थिति से बचाव करना है।

मेला क्षेत्र में नियंत्रण कक्ष स्थापित

मेला क्षेत्र की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने तथा आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए मेला क्षेत्र में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। यहां पुलिस पदाधिकारियों एवं बलों की तैनाती रहेगी। इसके अलावा जिला नियंत्रण कक्ष में भी विशेष रूप से पुलिस पदाधिकारियों एवं बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है। दोनों नियंत्रण कक्षों के माध्यम से मेला क्षेत्र की सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जाएगी तथा आवश्यकता पड़ने पर संबंधित पदाधिकारियों के साथ समन्वय कर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

वरीय पुलिस पदाधिकारियों द्वारा मेला क्षेत्र एवं संपूर्ण विधि-व्यवस्था की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अधिकारी मेला क्षेत्र का जायजा लेते हुए सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन एवं यातायात व्यवस्था को लेकर संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। सिमडेगा पुलिस ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे राजकीय रामरेखा मेला के दौरान शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने में पुलिस-प्रशासन का सहयोग करें। निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें, यातायात नियमों का पालन करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या विधि-व्यवस्था से संबंधित सूचना तत्काल नजदीकी पुलिसकर्मी अथवा पुलिस नियंत्रण कक्ष को दें।

पंचेत डैम प्राकृतिक सौंदर्य का अनुपम धरोहर है

ज्योति पाठक

झारखंड और बंगाल की सीमा पर स्थित पंचेत डैम प्रकृति का अनमोल धरोहर है। ठंड के दिनों में प्रातः काल और संध्या बेला में डैम और आकाश एक दिखाई पड़ते हैं। प्राकृतिक रूप से प्रकृति की गोद में अवस्थित इस डैम का कोहरे के समय देखते ही बनता है।पंचेत डैम की लंबाई लगभग पौने सात (6.78) किलोमीटर और ऊंचाई 147.64 फीट है।

इस अलौकिक सौंदर्य और प्रकृति की गोद में अवस्थित इस डैम को देखकर लोगों के मुंह से यह वाक्य और शब्द स्वतः ही निकल पड़ते हैं



बंगाल और झारखंड की दूरी को है समेटे हुए यह दो राज्यों का है हृदय स्थली इस सुंदर दृश्य को नयन भी देखने को रहते हैं आतुर जब दो राज्य के धरोहर मिलते हैं तो हो जाते हैं पास नहीं रहते दूर।

ट्रेन से 52 बोतल अवैध शराब बरामद

संवाददाता

रांची : रेलवे में अवैध शराब की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन सतर्क के तहत आरपीएफफ्लाइंग टीम रांची एवं आरपीएफपोस्ट रांची की संयुक्त टीम ने 23 नवंबर की रात रांची रेलवे स्टेशन पर बड़ी कार्रवाई की।

रात्रि करीब 22:15 बजे ट्रेन संख्या 18622 एक्सप्रेस के जनरल कोच में जांच के दौरान बाथरूम के पास एक लावारिस काला बैग बरामद हुआ। बैग पर किसी यात्री ने अपना दावा नहीं किया। इसके बाद आरपीएफ टीम ने



बैग की जांच की, जिसमें 12 बोतल ब्लेंडर्स प्राइड (750 टछ) एवं 40 बोतल मैकडॉवेल्स डबल ओक बैरल शराब बरामद हुई।

इस प्रकार कुल 52 बोतल शराब, जिसकी कुल मात्रा 16.200 लीटर तथा अनुमानित बाजार कीमत ₹18,400 है, बरामद की गई।

आरपीएफफ्लाइंग टीम के एसआई रवि शेखर द्वारा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शराब एवं बैग को जब्त कर आरपीएफपोस्ट रांची लाया गया। जब्त शराब को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए 24 नवंबर को उत्पाद विभाग, रांची को सौंपा जाएगा।

मंडल सुरक्षा आयुक्त रांची श्री आशीष कुमार पाण्डेय के निर्देश पर रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ट्रेनों एवं रेलवे परिसरों में अवैध शराब की तस्करी रोकने के लिए सघन जांच अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

